सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 15 अप्रैल, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 215, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

सनातन को दरकिनार कर बीजेपी ने फिर अन्नाद्रमुक से हाथ क्यों मिलाया?

अनंत मित्तल

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा मोड़- बीजेपी ने सनातन धर्म को लेकर विवादों के बीच एक बार फिर अन्नाद्रमुक से हाथ मिला लिया है। क्या सत्ता की राजनीति में विचारधारा पीछे छूट गई है? बीजेपी और अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडु में तीसरी बार चुनावी गठबंधन का ऐलान कर दिया है। इससे पहले दोनों दल दो बार गठबंधन तोड़ चुके हैं और एक-दूसरे पर जमकर कीचड़ उछाल चुके हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने अन्नाद्रमुक के साथ कथित 'स्थायी' गठबंधन की घोषणा करते हुए स्वीकार किया कि बीजेपी ने तमिलनाडु में सनातन के सिद्धांतों को किनारे रखकर सत्ता की खातिर समझौता किया है। यह घोषणा दोनों दलों के अपने पुराने कटु बयानों को भूलकर तीसरी बार एक-दूसरे के साथ आने का प्रतीक है। इससे साफ़ है कि सत्ता की लालसा में बीजेपी और आरएसएस क्षेत्रीय दलों के सामने झुकने से नहीं हिचकते।

दिलचस्प बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस गठबंधन को तमिलनाडु की जनता के लिए नई उम्मीद और द्रमुक के कथित भ्रष्टाचार से मुक्ति का अवसर बताया है। द्रमुक और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को चुनौती देने के जोश में मोदी ने 1998 के अन्नाद्रमुक-बीजेपी गठबंधन को याद किया, जिससे उन्होंने अनजाने में अपने गुरु लालकृष्ण आडवाणी के पुराने जख्मों को कुरेद दिया। उस गठबंधन के दौरान जयललिता ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए सरकार को महज 13 महीनों में धराशायी कर दिया था। यह सर्वविदित है कि उस सरकार में उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री के रूप में आडवाणी ही प्रमुख निर्णय लेते थे। वाजपेयी सरकार के पतन से आडवाणी को गहरा आघात लगा था, जिसके बाद उन्होंने मजबूरी में जयललिता की प्रतिद्वंद्वी करुणानिधि से हाथ मिलाया था। उसी गठबंधन के बूते वाजपेयी ने द्रमुक नेता मुरासोली मारन को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कर लगभग पाँच साल तक एनडीए सरकार चलाई थी। यह मजबूरी इसलिए थी, क्योंकि इससे पहले बीजेपी करुणानिधि को अलगाववादी और सनातन विरोधी करार देती थी।

अन्नाद्रमुक के साथ ताजा गठबंधन की घोषणा के दौरान अमित शाह के दाईं ओर अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी पलानीस्वामी और बाईं ओर तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष के. अन्नामलाई खड़े थे। गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पलानीस्वामी और अन्नामलाई एक-दूसरे पर तीखे हमले बोल रहे थे। अन्नामलाई ने अन्नाद्रमुक की दिवंगत नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता को भ्रष्टाचार सहित कई नकारात्मक विशेषणों से नवाजा था। अब वही जयललिता को प्रधानमंत्री मोदी 'महान नेता' बता रहे हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने मरणोपरांत आय से अधिक संपत्ति के मामले में लंबी सजा सुनाई थी और भारी जुर्माना सुनाया था।

उसी भ्रष्टाचार मामले में जयललिता की क़रीबी सहयोगी वी.के. शशिकला, जो उनकी मृत्यु के बाद अन्नाद्रमुक महासचिव बनीं और मुख्यमंत्री पद का दावा पेश किया था, ने अपने साथियों के साथ चार साल जेल में बिताए और फिर राजनीति से दूरी बना ली। सत्ता के लालच में किए गए इस गठबंधन के लिए पलानीस्वामी को तमिल वोटरों, जो द्रविड़ अस्मिता से गहरे जुड़े हैं, को अन्नामलाई के उन आरोपों का जवाब देना होगा, जो उन्होंने पिछले चुनाव से पहले अपनी पदयात्रा के दौरान द्रविड़ राजनीति के पुरोधा और पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुरै पर लगाए थे। इसके बावजूद, अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन पर बीजेपी और आरएसएस की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया दर्शाती है कि वे 2024 के लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में करारी हार से उबरने और आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी स्थिति मज़बूत करने के लिए कितने आतुर हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु की 39 सीटों पर बीजेपी और अन्नाद्रमुक अलग-अलग गठबंधनों में लड़े और एक भी सीट नहीं जीत पाए। वहीं, द्रमुकनीत गठबंधन ने सभी 39 सीटें जीतकर और लगभग 47त्न वोट हासिल कर दोनों दलों का सूपड़ा साफ़ कर दिया था। '400 पार' का नारा देने वाली बीजेपी को 240 सीटों पर रोकने में द्रमुक और मुख्यमंत्री स्टालिन की अहम भूमिका रही। यही कारण है कि स्टालिन की सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के छापे पड़ रहे हैं। लेकिन मतदाता इन छापों को बीजेपी की लोकसभा चुनाव में हार की खीझ मान रहे हैं।

इसी तरह तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने विधानसभा द्वारा पारित 11 विधेयकों को लगभग दो साल तक लटकाकर स्टालिन से बदला लेने की कोशिश की, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने नाकाम कर दिया। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान बीजेपी ने पलानीस्वामी सहित अन्नाद्रमुक नेताओं को भ्रष्ट बताया था, जबकि पलानीस्वामी ने बीजेपी और आरएसएस को द्रविड़ों का सबसे बड़ा दुश्मन करार दिया था। अन्नाद्रमुक और बीजेपी, दोनों के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में गठबंधन अस्तित्व बचाने की मजबूरी है।

2021 के विधानसभा चुनाव में स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक गठबंधन ने पलानीस्वामी की अन्नाद्रमुक को निर्णायक शिकस्त देकर 159 सीटें जीती थीं, जबकि अन्नाद्रमुक गठबंधन को मात्र 75 सीटें मिली थीं, जिसमें बीजेपी भी शामिल थी। तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 सीटें हैं, और सरकार बनाने के लिए 118 सीटें चाहिए।

2021 में द्रमुक गठबंधन को 45त्न से अधिक और अन्नाद्रमुक गठबंधन को 38 प्रतिशत वोट मिले थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में द्रमुक गठबंधन ने 46.97 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि अन्नाद्रमुक को 23.05 प्रतिशत और बीजेपी को पीएमके के साथ गठबंधन में 11 प्रतिशत वोट मिले। बीजेपी के वोट बढ़ने का श्रेय अन्नामलाई की पदयात्रा और पीएमके के साथ गठबंधन को दिया गया। पीएमके नेता एस. रामदास वन्नियार समुदाय के बड़े नेता हैं, जिन्हें तमिलनाडु का कांशीराम कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी। इस जाति को 1989 में मुख्यमंत्री एम करूणानिधि ने अति पिछड़ी जातियों में 20 फीसदी आरक्षण दिया था। डॉ. रामदास एनडीए ही नहीं द्रमुक के साथ यूपीए गठबंधन में भी शामिल रहे हैं।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव में द्रमुक नीत गठबंधन को मुख्यतः दलितों-अल्पसंख्यकों एवं अगड़ी जातियों के समर्थन से दो-तिहाई बहुमत प्राप्त हुआ था। द्रमुक नीत गठबंधन में कांग्रेस और वामपंथी दलों सहित कुल 13 दल शामिल हैं। उसके मुकाबले अन्नाद्रमुक नीत गठबंधन में 2021 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी और पीएमके सहित 11 दल थे। ये 2024 के आम चुनाव में तितर बितर हो गए थे। तब बीजेपी और पीएमके ने अलग गठबंधन बना लिया था। हालांकि सितंबर 2023 से पहले तक अन्नाद्रमुक ही एनडीए गठबंधन का सबसे बड़ा घटक दल था। प्रमुख विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन से घबरा कर एनडीए के आनन फानन बुलाए सम्मेलन में एडापड्डी पलानीस्वामी ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फूलों की भारी भरकम माला के भीतर शामिल किए गए थे। इसका कारण नीतीश कुमार और उनकी जेडीयू और चंद्रबाबू की टीडीपी दोनों का ही तब बीजेपी से रूठ जाना था।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

वक्फ कानून... तो मुसलमानों को पंचर बनाने की जरूरत नहीं पड़ती : पीएम मोदी

- पीएम मोदी का कांग्रेस शासित राज्यों की सरकारों पर हमला
- मोदी ने यमुनानगर में कहा, हिमाचल में सभी काम ठप हो गए
- तेलंगाना के बुलडोजर और कर्नाटक में करप्शन को भी उठाया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। संविधान निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर की 135वीं जयंती के मौके पर हरियाणा के दौरे पर पहुंची पीएम मोदी ने हिसार में जहां नए वक्फ कानून के विरोध को लेकर कांग्रेस को आईना दिखाया तो वहीं सरस्वती नदी से जुड़े यमुनानगर में कांग्रेस पर ट्रिपल अटैक किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल, तेलंगाना और कर्नाटक में चल रही कांग्रेस की सरकारों पर पहली बार सीधी टिप्पणी की।बाबा साहेब के संविधान की ऐसी-तैसी कर दी। इसका सही उपयोग होता तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर बनाने की जरूरत नहीं होती।

पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा डबल इंजन सरकार के चलते तेज गति से आगे बढ़ रहा है तो वहीं पड़ोस के हिमाचल में सारे काम ठप पड़े हैं। पीएम मोदी ने इससे पहले हिसार की सभा में कांग्रेस को मुस्लिम

अध्यक्ष बनाने की सलाह दी थी। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में जनता के साथ विश्वासघात हो रहा है। पड़ोस में देखिए, हिमाचल में सारे काम ठप पड़े हैं।

कर्नाटक में देखिए, हर चीज महंगी हो रही है। मैं सोशल मीडिया पर देख रहा था कि कर्नाटक में जो कांग्रेस सरकार ने टैक्स लगाए हैं, उनकी सोशल मीडिया पर लोगों ने खूब आलोचना की है। पीएम मोदी ने कहा कि खुद वहां के मुख्यमंत्री के करीबी कहते हैं कि कांग्रेस ने कर्नाटक को करप्शन में नंबर वन बना दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि तेलंगाना में भी कांग्रेस की सरकार जंगलों पर बुलडोजर चला रही है। यही है कांग्रेस की कार्यशैली।

- **हरियाणा में पीएम बोले- कांग्रेस मुस्लिम को अध्यक्ष बनाए-** मोदी ने कहा-देश आजाद होने के बाद 2013 तक वक्फ का कानून चलता था।2013 में कांग्रेस ने कानून में संशोधन कर दिया, ताकि चुनाव में वोट पा सकें।कानून को ऐसा बना दिया कि बाबा साहेब के संविधान की ऐसी-तैसी कर दी। इसका सही उपयोग होता तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर बनाने की जरूरत नहीं होती। पीएम ने आगे कहा- कांग्रेस कहती है कि ऐसा मुसलमानों के हित में किया। मैं पूछना चाहता हूं कि अगर सच्चे मन से मुसलमानों के लिए थोड़ी भी हमदर्दी है तो कांग्रेस पार्टी अपनी पार्टी का अध्यक्ष किसी मुसलमान को बनाए।

सीएम ने बाबा साहेब को अर्पित की श्रद्धांजलि

समाज के बंधुत्व और उत्थान के लिए बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के कार्य भूतो न भविष्यति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल/महू (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने 20वीं शताब्दी में ऐसे अनेकों उल्लेखनीय कार्य किए, जिनसे 1000 वर्ष की गुलामी की विसंगतियां दूर हुई। इन्हीं के आधार पर आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बना है। डॉ. अम्बेडकर के जीवन के योगदान बहुआयामी हैं, उन्हें भारत में भविष्य की चुनौतियों का आभास हो चुका था, यद्यपि उनका जीवन बहुत कठिनाई के साथ बीता, लेकिन वे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने स्वयं के संघर्ष से सीख ली और अपने जैसे दूसरे लोगों की मदद की। बाबा साहेब ने स्वयं की शिक्षा में कोई कसर नहीं रहने दी, इससे यह प्रेरणा मिलती है कि व्यक्ति के जीवन में शिक्षा में कभी कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर द्वारा समाज के बंधुत्व और उत्थान के लिए किए गए कार्य भूतो न भविष्यति हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा साहेब ने समूचे समाज को आरक्षण जैसी व्यवस्था प्रदान की। आज अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित हर वर्ग को साक्षरता का लाभ मिल रहा है। अनुसूचित जाति वर्ग की साक्षरता जो कभी मात्र 1.5 प्रतिशत थी, आज 59 प्रतिशत तक पहुंच गई है। भविष्य में जब-जब कठिनाई आएगी, हम सर्वहारा वर्ग के सशक्तिकरण का ध्यान रखेंगे। डॉ. अम्बेडकर ने सामाजिक सशक्तिकरण के लिए मजबूत संविधान बनाया और देश को लोकतंत्र दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. अम्बेडकर से जुड़े सभी स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में मान्यता दी। महू स्थित भीम जन्मभूमि को तीर्थ के रूप में विकसित करने में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा और श्री शिवराज सिंह चौहान का योगदान महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भीम जन्मस्थली महू में धर्मशाला निर्माण के लिए 3.5 तीन एकड़ जमीन दी जा रही है। इससे यहां आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, सभी आगंतुकों की संपूर्ण सुविधा का प्रबंध

राज्य सरकार की ओर से किया जाएगा। राज्य सरकार ने सर्वहारा वर्ग और प्रदेश के किसानों को समृद्ध बनाने के लिए डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना शुरू की है। अगर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग का कोई व्यक्ति दूध डेयरी खोलेगा, तो उसे हमारी सरकार द्वारा 30 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से एक दिन पहले ही भीम जन्मस्थली महू को नई ट्रेन की सौगात मिली है। अब महू शहर सीधा देश की राजधानी दिल्ली से जुड़ गया है। इस रेलगाड़ी की शुरुआत का लाभ कोटा के साथ-साथ मालवा क्षेत्र के इंदौर, उज्जैन और देवास को भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लंदन में भी डॉ. अम्बेडकर का भव्य स्मारक बना है, इसी स्थान पर उन्होंने शिक्षा प्राप्त की थी। यह एक आवासीय क्षेत्र है। अंग्रेजों ने स्मारक बनाने का काफी विरोध किया, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से वहां भी तीर्थ का निर्माण हो चुका है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने धारा 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर को उसका अधिकार वापस दिया है। बाबा साहेब डॉ.अम्बेडकर ने भी धारा 370 को स्वीकार नहीं किया था।

विचारक मुकुल कानिटकर ने कहा कि 1891में आज के दिन महू से एक सकारात्मक क्रांति की शुरुआत हुई थी, एक क्रांति सूर्य का उदय हुआ था। डॉ. अम्बेडकर ने वर्ष 1916 में मात्र 27 वर्ष में अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय से इकोनॉमिक्स की डिग्री प्राप्त की थी। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में सिर्फ एक ही स्टैच्यू लगा है, वो बाबा साहेब अम्बेडकर का है।

सुप्रभात

देह का नमक भात की गंध में सानकर खाना
आँख मींचकर देखना प्रियतम का स्पर्श
ध्वनि को पोरों से टटोलना
प्रेम में गिरना नहीं..उठना सखी

आकाश के कपास का बिछौना बना
चंद्रधनुष पर चढ़ा लेना कामनाओं की प्रत्यंचा
मनचाहा आखेट करना
किंतु हृदय घायल न छोड़ना

वापसी में व्यथित प्रिय की नाभि पर
छिड़क आना स्मृतियों का अमृत
उसके अपराधों को अपनी नदी में बहा देना

बिछड़ते हुए प्रेमी को वर्षा का आशीष देना सखी
- श्रुति कुशवाहा

सलमान को घर में घुसकर मारेंगे, बम से उड़ाएंगे कार

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को फिर एक बार जान से मारने की धमकी मिली है। मुंबई के वर्ली स्थित ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में अज्ञात शख्स ने वॉट्सऐप मैसेज कर सलमान खान की कार को बम से उड़ाने की बात कही। रविवार देर रात भेजे गए इस मैसेज में लिखा है- हम सलमान खान को घर में घुसकर मारेंगे। मुंबई की वर्ली पुलिस अज्ञात के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2)(3) के तहत शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिछले साल 14 अप्रैल को सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में फायरिंग हुई थी। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। इस केस में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक आरोपी ने खुदकुशी कर ली है। लॉरेंस गैंग से लगातार मिल रही धमकियों पर सलमान खान ने कुछ समय पहले ही पहली बार चुप्पी तोड़ी। फिल्म 'सिकंदर' की प्रेस मीट में एक्टर ने कहा कहा था-भगवान-अल्लाह ने जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी जरूर जिएंगे। सिक्योरिटी बढ़ाई जाने पर सलमान ने कहा,कभी-कभी इतने लोगों को साथ लेकर चलने से दिक्कत हो जाती है। 2023 में लॉरेंस गैंग से धमकी मिलने के बाद ही सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

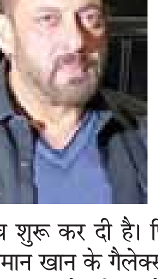

पीएनबी घोटाले का आरोपी मेहुल चोकसी गिरफ्तार

- भारत की प्रत्यर्पण अपील के बाद बेल्जियम में ऐक्शन

ब्रूसेल्स (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक से लोन धोखाधड़ी मामले में आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को पुलिस ने बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर 12 अप्रैल को उसकी गिरफ्तारी हुई, फिलहाल वह जेल में है। भारत ने बेल्जियम के साथ चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने चोकसी को गिरफ्तार करते समय दो गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया। ये मुंबई की एक अदालत ने जारी किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वारंट 23 मई 2018 और 15 जून 2021 के थे। ऐसा माना जा रहा है कि चोकसी अपनी खराब सेहत का हवाला देते हुए जमानत और तत्काल रिहाई की मांग कर सकता है। बेल्जियम में गिरफ्तारी के बाद मेहुल चोकसी ने अपने खराब सेहत का हवाला देते हुए कोर्ट में जमानत मांगी है। उसकी ओर से कहा गया है कि इलाज कराने के लिए बेल्जियम आया था और अपनी पत्नी के साथ एंट्वर्प में रह रहा था। चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। पिछले महीने खुलासा हुआ था कि मेहुल चोकसी बेल्जियम में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेहुल पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा है, जिन्हें बेल्जियम की नागरिकता मिली है। बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ही चोकसी की मौजूदगी की जानकारी दी थी।

'पॉकेट वीटो' केस में सुप्रीम कोर्ट जाएगी केंद्र सरकार

- राज्यपाल के अधिकार मामले में दाखिल करेगी रिव्यू पिटीशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा द्वारा पारित किए गए 10 विधेयकों को लंबे समय तक राज्यपाल आरएन रवि की मंजूरी ना मिलने के मामले में हाल सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए बिल पर फैसला लेने के लिए समयसीमा भी तय कर दी। अब इस मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने का फैसला लिया है।
केंद्र इसी सप्ताह रिव्यू पिटीशन दाखिल कर सकती है। केंद्र सरकार का मानना है कि राज्यपाल या राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा तय करने से संवैधानिक अराजकता बढ़ सकती है।
इस मामले में केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर

पुनर्विचार याचिका दायर करेगी। इस मामले में विधि विभाग से भी राय ली जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा विचार के लिए प्रेषित विधेयकों पर विचार करने का संदर्भ मिलने की तिथि से तीन महीने के भीतर निर्णय लेना चाहिए।
ऐसा पहली बार है जब राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए समयसीमा तय की गई हो। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि राज्यपाल के पास 'पॉकेट वीटो' यानी किसी भी फाइल को अनिश्चित काल तक अपने पास लंबित रखने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का भी जिक्र किया कि राज्य स्तर पर राज्यपाल के पास यह ताकत नहीं रहती कि वो फैसला ले पाए कि किस बिल को संवैधानिक कोर्ट में भेजना है या नहीं।
ऐसे में सविधान तो सिर्फ एक ही रास्ता दिखाता है, राज्यपाल उस बिल को राष्ट्रपति के पास भेज दे और फिर राष्ट्रपति आर्टिकल 143 का इस्तेमाल करे।
सर्वोच्च अदालत के मुताबिक सरकरिया कमीशन भी स्पष्ट रूप से कह चुका है कि राष्ट्रपति कोर्ट से सुझाव ले सकता है। केन्द्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद असहज महसूस कर रही है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22°c न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 15 अप्रैल 2025

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

5 किमी ऊपर उड़ रहे ड्रोन को चंद सेकंड्स में कर देगा भस्म

● भारत को मिला स्टार वॉर्स जैसा स्वदेशी लेजर वेपन, सिग्नल भी जाम करेगा

कुरनूल (एजेंसी)। भारत ने 30-किलोवॉट लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (डीईडब्ल्यू) एमके-2 (ए) सिस्टम का परीक्षण किया है, जो दुश्मन के फिक्स्ड-विंग ड्रोन, स्वार्म ड्रोन, मिसाइल और जासूसी सेंसर को कुछ ही सेकंड में राख कर सकता है। इसके साथ ही भारत भी उन देशों में शामिल हो गया है, जिसके पास यह पावरफुल लेजर वेपन सिस्टम है। अभी तक यह सिस्टम केवल अमेरिका, चीन, इजरायल और रूस जैसे देशों के पास था।

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बने नेशनल ओपन एयर रेंज में पर लेजर बेस्ड वेपन सिस्टम का यह परीक्षण किया गया। डीआरडीओ के चेयरमैन समीर वी कामत ने कहा कि यह केवल शुरुआत है। डीआरडीओ कई तकनीकों पर काम कर रहा है, जो हमें स्टार वार्स की क्षमता प्रदान करेगी। डीआरडीओ के चेयरमैन समीर वी कामत ने कहा, जहां तक मुझे पता है तो अमेरिका, रूस और चीन ने ही ऐसी क्षमता दिखाई है। इजरायल भी इस दिशा में काम कर रहा है।

मैं कहूंगा कि हम दुनिया में चौथे या पांचवें नंबर पर हैं, जिन्होंने इस सिस्टम को प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ कई ऐसी टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है, जो हमें 'स्टार वार्स कैपैबिलिटी' देगी। कामत ने कहा, ये तो बस शुरुआत है। इस लैब ने दूसरी लैब्स, इंडस्ट्री और एकेडमिक्स के साथ जो तालमेल दिखाया, उससे मुझे यकीन है कि हम जल्द अपनी मंजिल तक पहुंच जाएंगे।

● **बिजली जैसी स्पीड और शानदार सटीकता**- भारत में बने एमके-2 (ए) डीईडब्ल्यू सिस्टम ने रविवार को अपनी पूरी ताकत दिखाई। इसने लंबी दूरी के फिक्स्ड-विंग ड्रोन को निशाना बनाया, कई ड्रोन के अटैक को नाकाम किया और दुश्मन के सर्विलांस सेंसर व एंटीना को तबाह कर दिया। इसमें बिजली जैसी स्पीड, सटीकता और कुछ सेकंड में टारगेट को नेस्तनाबूद करने की ताकत है। इस तरह यह सबसे पावरफुल काउंटर ड्रोन सिस्टम बन गया है। जैसे ही रडार या इसके इनबिल्ट इलेक्ट्रो-ऑप्टिक सिस्टम से टारगेट डिटेक्ट होता है, लेजर-डीईडब्ल्यू लाइट की स्पीड से अटैक करता है। ये एक ताकतवर लेजर बीम से टारगेट को काट देता है, जिससे उसका स्ट्रक्चर फेल हो जाता है। अगर वॉरहेड को निशाना बनाया जाए, तो और भी बड़ा धमाका होता है।

गुजरात में 18 सौ करोड़ की 3 सौ किलो ड्रग्स जब्त

पोरबंदर से 190 किमी दूर समुद्र में फेंककर भागे तस्कर

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में इंडियन कोस्ट गार्ड ने 300 किलो ड्रग्स जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 1,800 करोड़ रुपए बताई जा रही है। जब्त ड्रग्स मेथामफेटामाइन हो सकता है। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड और कोस्ट गार्ड ने 12-13 अप्रैल की रात ज्वाइंट ऑपरेशन के तहत पोरबंदर से 190 किमी दूर समुद्र से ड्रग्स की खेप को पकड़ा है। गुजरात एटीएस से मिली जानकारी के बाद कोस्ट गार्ड ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा की ओर सर्च के लिए जहाज भेजा था। अंधेरे के बीच कोस्ट गार्ड की टीम ने एक बोट को स्पॉट किया। बोट सवारों से पहचान बताने को

कहा। इससे घबराए तस्करों ने ड्रग्स को समुद्र में फेंका और अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भाग निकले। कोस्ट गार्ड टीम ने समुद्र में फेंकी गई ड्रग्स को रेस्क्यू बोट की मदद से बाहर निकाला। बोट का कनेक्शन पाकिस्तान से होने की आशंका है। फिलहाल जांच के लिए जब्त की गई ड्रग्स को पोरबंदर में एटीएस को सौंप दिया गया है। गौरतलब है कि गुजरात ड्रग्स तस्करी का अहम रूट बनता जा रहा है। पिछले साल अप्रैल 2024 में भी एटीएस ने पोरबंदर के पास 86 किलो ड्रग्स (600 करोड़ की कीमत) पकड़ी थी। फरवरी 2024 में नौसेना और एटीएस ने 3300 किलो ड्रग्स जब्त की थी, जिसकी कीमत 1300 से 2000 करोड़ रुपए थी।

कर्नाटक में 5 साल की बच्ची से रेप की कोशिश, हत्या

आरोपी का एनकाउंटर, भागते समय पुलिस पर किया था हमला

हुबली (एजेंसी)। कर्नाटक में 5 साल की बच्ची से रेप की कोशिश, फिर उसकी हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने रविवार रात एनकाउंटर में मार गिराया। मुठभेड़ में एक सब इंस्पेक्टर समेत 3 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। घटना हुबली की है। आरोपी ने दिन में बच्ची को उसके घर के पास से ही अगवा किया था। वह उसे एक सुनसान जगह बने शेड में ले गया। यहां रेप की कोशिश की। बच्ची की चीख सुनकर लोग इकट्ठा हो गए। घबराकर आरोपी ने गला

घोंटकर बच्ची की हत्या कर दी और फरार हो गया। कुछ ही घंटों में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हुबली पुलिस कमिश्नर शशि कुमार ने कहा- पुलिस आरोपी को कुछ डॉक्यूमेंट्स और आइडेंटिटी वेरिफिकेशन के लिए उसके घर ले गई थी। उसने भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर पत्थर से हमला किया। पुलिस ने हवाई फायर किए, तब भी वह भागने की कोशिश करता रहा। पुलिस ने उस पर दो राउंड फायर और किए, जिसमें वह घायल हो गया।

3 दिन बुंदेलखंड का दौरा करेंगे प्रदेश प्रभारी-पीसीसी चीफ

भोपाल (नप्र)। दिल्ली में एमपी के कांग्रेस जिला अध्यक्षों की बैठक और अहमदाबाद अधिवेशन के बाद प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी बुंदेलखंड में जिला स्तर पर बैठक करेंगे। चौधरी 16 अप्रैल से 20 अप्रैल तक एमपी के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी बैठकों में शामिल होंगे। संगठनात्मक बैठकों के दौरान कांग्रेस के दोनों ही नेता अहमदाबाद में तय की गई पार्टी की रणनीति और संगठन की मजबूती को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद करेंगे।

ऐसा है दोनों नेताओं का दौरा कार्यक्रम

* चौधरी और पटवारी टीकमगढ़, छतरपुर और निवाड़ी जिलों में रात्रि विश्राम भी करेंगे।
* 16 अप्रैल बुधवार को दोनों ओरछा पहुंचेंगे।
* 17 अप्रैल गुरुवार को पृथ्वीपुर में निवाड़ी-पृथ्वीपुर के कार्यकर्ताओं की बैठक।
* गुरुवार को ही टीकमगढ़ जाएंगे और जिले के कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे।
* 18 अप्रैल को दोनों छतरपुर में कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे और रात्रि विश्राम भी यहीं करेंगे।
* 19 अप्रैल को सागर आकर वहां विधानसभावार बैठक लेंगे।
*प्रदेश कांग्रेस प्रभारी 20 अप्रैल को भोपाल से अलीराजपुर जाएंगे। इसी दिन इंदौर में कांग्रेस नेताओं की बैठक लेंगे।
यहां पार्टी के संगठनात्मक विस्तार को लेकर इंदौर के नेताओं का अभिमत लेंगे।

एम्स भोपाल के आपातकालीन विभाग में डॉक्टर पर हमला

भोपाल। एम्स भोपाल के आपातकालीन विभाग में सोमवार दोपहर एक गंभीर घटना सामने आई, जब एक डॉक्टर के साथ मरीज के परिजनों द्वारा कथित रूप से मारपीट और अभद्रता की गई। यह घटना स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करती है।

घटना उस समय हुई जब डॉक्टर इमरजेंसी विभाग के येलो ट्रायेज क्रिटिकल एरिया में ड्यूटी पर तैनात थे। मरीज संतोष कुमार (उम्र 39 वर्ष) के साथ आए परिजनों ने डॉक्टर के साथ शारीरिक और मौखिक दुर्व्यवहार किया। परिजनों ने न केवल धमकाया, बल्कि हिंसा भी की – डॉक्टर की शर्ट फाड़ दी, चेहरे पर हमला करने की कोशिश की और उनका गला पकड़ लिया। हमलावर को एम्स भोपाल के सुरक्षा गार्डों और तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा तुरंत पकड़ लिया गया और उसे बागसेवनिया पुलिस थाने के हवाले कर दिया गया। इस संबंध में मध्यप्रदेश चिकित्सा सेवा व्यक्ति और चिकित्सा सेवा संस्थान (हिंसा और क्षति की रोकथाम) अधिनियम, 2008 की धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस अधिनियम के अंतर्गत दोषी पाए जाने पर 3 से 5 साल की सजा और 50,000 से 2 लाख तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। एम्स भोपाल प्रशासन ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की कड़ी निंदा करते हुए स्वास्थ्य कर्मियों पर किसी भी प्रकार की हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराई है। अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। यह घटना देशभर में चिकित्सकों पर बढ़ते हमलों की कड़ी का हिस्सा है, जिससे सख्त कानून और प्रभावी सुरक्षा उपायों की मांग और प्रबल हुई है।

ठेकेदार ने फांसी लगाकर जान दी

पत्नी और बच्चे पड़ोस के घर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने गए थे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अरेरा हिल्स इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी की। घटना रविवार रात की है। मृतक के पड़ोसी के घर शादी है, घटना के समय पत्नी बच्चों को लेकर पड़ोसी के घर गई थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पीएम के बाद सोमवार दोपहर शव परिजनों के हवाले कर दिया है। अरेरा हिल्स पुलिस ने बताया कि 34 वर्षीय राजेश मरावी भीम नगर झुग्गी में रहता था, वह पुताई का ठेकेदार था। परिवार में पत्नी के अलावा दो मासूम बेटे हैं। रविवार की शाम राजेश की पत्नी पड़ोस में मेहंदी लगाने गई थी। अपने साथ दोनों बच्चों को ले गई थी। इस बीच राजेश शराब के नशे में घर पहुंचा और अंदर कमरे में जाकर फांसी लगा ली।

पत्नी मेहंदी लगाकर लौटी तो उसने पति को फांसी के फंदे पर लटके देखा। उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग आ गए। राजेश को फंदे से उतारकर जयप्रकाश अस्पताल पहुंची, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद राजेश को मृत घोषित कर दिया।

हर्षा रिछारिया की पदयात्रा में पहुंची मुस्लिम युवती

हर्षा को टीका भी लगाया, बोली-वहां इज्जत नहीं है

मथुरा (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ से चर्चा में आईं हर्षा रिछारिया ने सोमवार सुबह वृंदावन से संभल के लिए पदयात्रा शुरू की। हर्षा बांके बिहारी का जयकारा लगाते हुए वृंदावन से निकलीं। साधु-संत और सैकड़ों समर्थक उनके साथ चल रहे हैं। समर्थकों ने साधु-संतों और हर्षा पर फूल बरसाए। मंदिर में हर्षा की चप्पल गुम हो गई। वह नंगे पैर ही यात्रा के लिए चल पड़ीं। इससे पहले सुबह हर्षा ने मंदिर पहुंचकर शिव और भगवान

राम की पूजा की। पदयात्रा में शामिल होने के लिए मथुरा में कृष्ण जन्मस्थान के पास रहने वाली अलीशा खान भी टीका लगाकर पहुंचीं। वह नकाब पहने थी। अलीशा का कहना है सनातन में महिलाओं का सम्मान है। हमारे यहां यह सब नहीं है। लड़कियों को बंद रखा जाता है। इज्जत नहीं है। सनातन में लड़कियों को लक्ष्मी स्वरूप माना जाता है। अलीशा ने 8 महीने पहले सचिन से लव मैरिज की है। हर्षा का कहना है कि यह यात्रा हिंदू धर्म से विमुक्त हो चुके युवक-युवतियों के लिए है।

ओबीसी, दलित और मुस्लिम वोटों पर कांग्रेस का फोकस

● अहमदाबाद से चला बड़ा दांव, लालू और तेजस्वी की बढ़ी मुश्किल ● एससी-एसटी वोटों को पाले में करने का चला दांव, बिहार से 'खेला'

पटना (एजेंसी)। बिहार के बहाने ही सही लेकिन कांग्रेस अब बदल रही है। छह दशक बाद अहमदाबाद में हुए दो दिवसीय अधिवेशन में पार्टी ने बदलाव की मंशा उजागर कर दी। कांग्रेस अब सर्व समाज की पार्टी की छवि बदल देगी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में उसे ओबीसी, दलित और मुस्लिम समाज से सर्वाधिक उम्मीद है। कांग्रेस को लगता है कि जिस तरह सवर्ण भाजपा के साथ सट-बंध गए हैं, उससे उनके वोटों की आस लगाना अब उसके लिए फायदेमंद नहीं होगा। अगर उसे अपनी खोई गरिमा हासिल करनी है तो दलित, पिछड़े और मुसलमानों जैसे बहुजन पर दांव लगाना ही ठीक रहेगा। इनकी आबादी तकरीबन 85 प्रतिशत है। कांग्रेस का यह चिंतन उसे कामयाबी दिला पाएगा या नहीं, पर उसका कन्फ्यूजन इसमें साफ झलकता है। उसे इस बड़ी आबादी की राजनीति के लिए पहले क्षेत्रीय दलों से निपटना पड़ेगा, जिनका जन्म ही जातियों के आधार पर हुआ है। कांग्रेस ने तय किया है कि वह सत्ता में आने पर एससी-एसटी उपयोजना के लिए केंद्रीय कानून बनाएगी। इनकी आबादी के हिसाब से बजटीय आवंटन की गारंटी देगी। सुनने में यह बात बेहद अच्छी लगती है। अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के लिए उसकी चिंता भी इसमें साफ दिखती है। पर, देश में सर्वाधिक समय तक सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस को यह बात क्यों नहीं

सूझी। कांग्रेस सिर्फ 11 साल से सत्ता विहीन है। फिर भी दो राज्यों- कर्नाटक और तेलंगाना में उसकी सरकारें हैं। अगर कांग्रेस का यह नीतिगत निर्णय है तो वह अपने शासन वाले दोनों राज्यों में प्रयोग के तौर पर यह नीति क्यों नहीं अपनाती। दलित, पिछड़े और मुसलमानों की चिंता में दुबली होती जा रही कांग्रेस यह भूल जाती है कि दलित, मुस्लिम और ब्राह्मण कभी उसके जनाधार रहे, लेकिन अब उनका कांग्रेस से मोह भंग हो चुका है। कांग्रेस ने अपने बड़े मुस्लिम लीडर आरिफ मोहम्मद खान की परवाह नहीं की। गुलाम नबी आजाद के किनारे होने पर उसे कोई कोफ्त नहीं हुई। कांग्रेस शासन में दंगों के सर्वाधिक शिकार मुसलमान हुए। पर, कभी कांग्रेस ने इसकी परवाह नहीं की। नतीजा सामने है। कालांतर में मुसलमानों ने इलाकाई पार्टियों में अपना ठौर तलाश लिया। लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव और ममता बनर्जी जैसे लोगों की पार्टियां कांग्रेस के बजाय मुसलमानों को रास आने लगीं। मुसलमानों की मदद से राज्यों में बनी कांग्रेस की सरकारें आहिस्ता-आहिस्ता अपदस्थ होती गईं। बिहार में 17 फीसद मुसलमान आरजेडी के साथ चले गए। यूपी में मुसलमान समाजवादी पार्टी में अपनी भलाई देखने लगे। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से मुसलमानों की उम्मीदें पूरी होने लगीं। बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक शासन करने वाली पार्टी का हश्र सामने है। बिहार में दिव्यांग बन कांग्रेस लालू यादव की पीठ-कंधे की सवारी के लिए अब भी मजबूर है। बंगाल में तो ममता बनर्जी ने कांग्रेस का नामोनिशान मिटा दिया है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने ही किसी तरह जिंदा रखा है। कांग्रेस ने तय किया है कि सत्ता में आने पर जाति जनगणना कराएगी।

बीएसएफ ने भाजपा के साथ रची बंगाल हिंसा की साजिश

● टीएमसी नेता का आरोप; बोले- फेक फोटो पोस्ट कर बंगाल के लोगों को भड़का रहे

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और पूर्व सांसद कुणाल घोष ने मुर्शिदाबाद हिंसा के पीछे भाजपा और दूसरी राजनीतिक पार्टियों के होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- हमें इनपुट मिले हैं कि हिंसा की घटनाओं के पीछे एक बड़ी साजिश थी। केंद्रीय एजेंसियां, बीएसएफ और कुछ राजनीतिक दलों का एक सेक्शन इस साजिश में शामिल था। बीएसएफ ने मदद करके उपद्रवियों को राज्य का बॉर्डर पार करवाया। कुछ उपद्रवी मुर्शिदाबाद के इलाके में घुसे, अराजकता फैलाई और बीएसएफ ने उन्हें वापस जाने के लिए भी मदद की। यह इनपुट सच है या नहीं इसकी जांच होनी चाहिए। घोष ने आगे कहा- भाजपा ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में दूसरे राज्यों की तस्वीरों का इस्तेमाल करके उसे मुर्शिदाबाद का बताया। वे बंगाल के लोगों को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार और पार्टी इस साजिश का मुकाबला करने की पूरी कोशिश कर रही है। उधर, सोमवार

को इंडियन सेक्युलर फ्रंट समर्थक मार्च निकालते हुए कोलकाता जा रहे थे, उन्हें पुलिस ने भांगड़ इलाके में रोक दिया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस बीच नौशाद सिद्दीकी ने शांति की अपील की।

बिहार की सियासत में 'खाकी' का रंग हमेशा रहा है फीका

● डीपी ओझा से लेकर गुप्तेश्वर पांडेय तक सभी हो गए 'फेल'

अब शिवदीप लांडे ने बनाई 'हिंद सेना', संदिग्ध है सफलता

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में खाकी वर्दी वालों का रंग कुछ फीका ही रहा है। कई पुलिस अधिकारी राजनीति में किस्मत आजमाने आए, लेकिन सफलता कुछ को ही मिली। अक्सर उन्हें ही सफलता मिली जिनके पीछे किसी बड़ी पार्टी का हाथ था। अपने दम पर या छोटी पार्टियों के सहारे आने वालों को ज्यादातर हार का सामना करना पड़ा। हाल ही में, एक और आईपीएस अधिकारी ने नौकरी छोड़कर पार्टी बनाकर राजनीति में उतरने का संकेत दिया है। दरअसल, पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे ने 'हिंद सेना' नाम से अपनी पार्टी बनाकर राजनीति में आने का ऐलान किया है। वे राष्ट्रवाद, सेवा और समर्पण के सिद्धांतों पर काम करने की बात कर रहे हैं। वहीं, उनसे पहले पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय को राजनीति में निराशा हाथ लगी। उन्होंने वीआरएस लेकर चुनाव लड़ने की तैयारी की थी, पर उन्हें टिकट नहीं मिला। इनसे पहले पूर्व डीजीपी आशीष रंजन को कांग्रेस से टिकट तो मिला, लेकिन वे नीतिश कुमार के गढ़ में हार गए। पूर्व डीजीपी डीपी

ओझा भी चुनाव में बुरी तरह हारे थे। हालांकि, कुछ पुलिस अधिकारी जैसे ललित विजय, निखिल कुमार और सुनील कुमार चुनाव जीते और मंत्री भी बने। बिहार की राजनीति में पुलिस अधिकारियों का सफर आसान नहीं रहा है। कई अधिकारियों ने खाकी वर्दी छोड़कर राजनीति में अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन सफलता कुछ ही लोगों को मिली। ज्यादातर अधिकारियों को हार का सामना करना पड़ा। अब एक और आईपीएस अधिकारी शिवदीप लांडे ने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाकर सक्रिय राजनीति में आने का संकेत दिया है। शिवदीप लांडे, बिहार के एक कड़क आईपीएस अधिकारी माने जाते हैं। उन्होंने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा जाहिर कर दी है। उन्होंने किसी बड़ी पार्टी का सहारा नहीं लिया, बल्कि 'हिंद सेना' नाम से अपनी नई पार्टी बनाई है। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी राष्ट्रवाद, सेवा और समर्पण के सिद्धांतों पर चलेगी। साथ ही, बिहार की जनता की आवाज बनने की कोशिश करेगी। इस प्रयास को शुरू करने के लिए लांडे ने पिछले साल सितंबर में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) से इस्तीफा दे दिया था। पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय के लिए बिहार की राजनीति एक सबक साबित हुई। उन्होंने पहली बार वीआरएस लेकर चुनाव लड़ने की तैयारी की, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी। राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि उन्होंने टिकट के लिए पहले जदयू और फिर भाजपा से बात की, लेकिन उनकी बात नहीं बनी।

छिंदवाड़ा में पूर्व सांसद नकुलनाथ बोले -संविधान खतरे में

अंबेडकर जयंती पर कहा- कांग्रेस आखिरी दम तक लड़ेगी

छिंदवाड़ा (नप्र)। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में छिंदवाड़ा में भव्य आयोजन किया गया। जय भीम सेना द्वारा आयोजित बाइक रैली में सैकड़ों युवाओं और समर्थकों ने भाग लिया। यह रैली सत्कार चौराहे पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा से शुरू हुई, जहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू और पूर्व सांसद नकुलनाथ उपस्थित रहे। दोनों ने बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में नकुलनाथ ने कहा, 'बाबा साहब ने एक ऐसा मजबूत संविधान देश को दिया, जिसके कुछ अंशों को अन्य देशों ने भी अपनाया। लेकिन आज वह संविधान खतरे में है। कांग्रेस तब तक संघर्ष करेगी जब तक संविधान की रक्षा नहीं हो जाती।'

190 से ज्यादा बच्चों का यज्ञोपवीत संस्कार

पीतांबरा पीठ में वैदिक रीति-रिवाज से हुई रस्में

दतिया (नप्र)। श्री पीतांबरा पीठ पर सोमवार को देश के अलग-अलग शहरों से आए 190 से ज्यादा बच्चों का यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न हुआ। ये हिंदू धर्म के सोलह संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार है।

संस्कार की शुरुआत मुंडन से हुई। बच्चों को मूंज का जनेऊ पहनाया गया। उन्हें हाथ में डंडी और कमंडल दिए गए। शरीर पर भगवा वस्त्र और पैरों में खड़ाऊं पहनाई गईं। पीठ के आचार्यों ने वैदिक रीति-रिवाज से संस्कार कराया। सभी बाल संन्यासियों को पूज्यपाद की पादुका के पास बैठकर दीक्षा दी गई।

संयमित जीवन और आत्मिक विकास की प्रेरणा

पीठ के व्यवस्थापक बीपी पाराशर ने बताया कि ये संस्कार धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक है।

जनेऊ का वैज्ञानिक महत्व भी सिद्ध है। इससे व्यक्ति की आयु और तेज बढ़ता है। पंडित मुड़िया के अनुसार, यह संस्कार बालक को संयमित जीवन और आत्मिक विकास की प्रेरणा देता है।

बच्चों का यज्ञोपवीत संस्कार कराने देशभर से पहुंचते हैं लोग- श्री पीतांबरा पीठ पर ये आयोजन हर साल निशुल्क होता है। पीठ की ओर से खड़ाऊ, जनेऊ और वस्त्र जैसी सभी सामग्री प्रदान की जाती है। इस पावन अवसर पर देश भर से लोग अपने बच्चों का यज्ञोपवीत संस्कार कराने पीतांबरा पीठ आते हैं।

प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बारिश, बाकी में तेज गर्मी

रीवा समेत 11 जिलों में आज बारिश-आंधी का अलर्ट; भोपाल-इंदौर में पारा बढ़ेगा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से के 11 जिलों में मंगलवार को हल्की बारिश हो सकती है। इनमें रीवा, सतना, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर शामिल हैं। इसके बाद मौसम साफ हो जाएगा और गर्मी बढ़ेगी। 16-17 अप्रैल को कई जिलों में लू का अलर्ट है।

मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से रविवार को कई जिलों में बारिश का दौर चला। वहीं, ओले भी गिरे। अगले 24 घंटे में तापमान ज्यादा नहीं बढ़ेगा, लेकिन इसके बाद तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। सोमवार को कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है।

16 अप्रैल से लू का असर- मौसम विभाग के अनुसार, 16 अप्रैल से प्रदेश में लू का असर देखने को मिलेगा। खासकर ग्वालियर, चंबल और इंदौर संभाग के जिलों में लू चलेगी। 17 अप्रैल को भी लू का अलर्ट है।

इससे पहले रविवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्से में तेज आंधी, बादल, बारिश, आकाशीय बिजली और ओले गिरने वाला मौसम रहा। खरगोन के महेश्वर में तेज बारिश और ओले गिरे। सतना में दो घंटे तेज आंधी के साथ बारिश हुई। शिवपुरी में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला और 11 भैंसों की मौत हो गई। एक मकान पर पेड़ भी गिर गया। शिवपुरी जिले के ग्राम टोडा पिछोर में शनिवार देर रात खेत में सो रही 55 वर्षीय महिला की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कुसुमा लोधी के रूप में हुई है। दूसरी ओर, कई जिलों में पारा 40 डिग्री के पार रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, नर्मदापुरम में 40.2 डिग्री, खंडवा-धार में 40.1 डिग्री, खरगोन और नरसिंहपुर में 40 डिग्री रहा। वहीं, शाजापुर में 39.7 डिग्री, रतलाम में 39.5 डिग्री और गुना में पारा 39 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.8 डिग्री, इंदौर में 38.6 डिग्री, ग्वालियर में 36 डिग्री, उज्जैन में 38.5 डिग्री और जबलपुर में पारा 37.4 डिग्री दर्ज किया गया।सबसे कम पचमढ़ी में 32.8 डिग्री रहा। नौगांव में 34 डिग्री, रीवा-सीधी में 34.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा

मध्यप्रदेश में मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। इसी ट्रेंड के अनुसार अगले 3 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मई तक 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है। जिस तरह दिसंबर-जनवरी में सर्दी और जुलाई-अगस्त में सबसे ज्यादा बारिश होती है, उसी तरह गर्मी के दो प्रमुख महीने अप्रैल और मई हैं। इस बार मार्च के दूसरे पखवाड़े में पारा 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है।

पचमढ़ी के चौरागढ़ मंदिर तक जाने के लिए बनेगा रोप-वे

घंटों की यात्रा मिनटों में होगी, 400 करोड़ की मिली मंजूरी

नर्मदापुरम (नप्र)। मध्यप्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में बाबा चौरागढ़ मंदिर तक जाने के लिए रोप-वे बनेगा। श्रद्धालु घंटों की यात्रा मिनटों में पूरी कर पाएंगे। आने वाले वर्षों में श्रद्धालुओं को यह सुविधा मिलेगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पचमढ़ी के चौरागढ़ महादेव मंदिर जाने के लिए 400 करोड़ की लागत से रोपवे एवं वाहन पार्किंग मंजूरी दे दी है। एक कार्यक्रम में गडकरी ने मंच से यह रोप वे बनाने की मंजूरी की बात कही है।

इसका वीडियो सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने सोमवार दोपहर 3 बजे अपने सोशल मीडिया पेज पर शेयर किया है। सांसद चौधरी ने बताया हिल स्टेशन पचमढ़ी के समग्र विकास के लिए हम कृत संकल्पित है। पचमढ़ी हमारी धार्मिक सांस्कृतिक प्राकृतिक विरासत है इस विरासत के संरक्षण के साथ यहां पर पर्यटन का विकास हमारी प्राथमिकता है।

सांसद बोले- अनहोनी वन क्षेत्र को भी पिकनिक स्पॉट बनाएंगे- सांसद चौधरी ने पचमढ़ी में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रोपवे एवं वाहन पार्किंग के साथ हवाई पट्टी सहित हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि पिपरिया से सटे अनहोनी वन क्षेत्र को भी पिकनिक स्पॉट में बदलने की योजना पर भी काम किया जाएगा। इन विकास कार्यों से पचमढ़ी में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इससे मजबूती मिलेगी। सांसद चौधरी ने बताया कि रोपवे बनने से घंटों की यात्रा मिनटों में संभव होगी। श्रद्धालुओं को भगवान महादेव के दर्शन के लिए लंबी पैदल चढ़ाई नहीं करनी पड़ेगी।

लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं चौरागढ़ बाबा के मंदिर की है, हर साल महाशिवरात्रि पर लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। करीब साढ़े 3 किमी का ट्रैक पैदल ऊंची-नीची सरपिली पहाड़ियों में होकर गुजरना पड़ता है।

महाशिवरात्रि पर श्रद्धालु वजनी त्रिशूल लेकर भी आते हैं। रोप वे बनने से श्रद्धालुओं को पहुंचने में आसानी होगी। रोप वे कब और कहां से बनना शुरू होगा। यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

सतना के चर्च हॉस्टल में नाबालिग छात्रा का संदिग्ध अवस्था में शव मिला

गले पर फंदे के निशान, हिंदू संगठनों के गंभीर आरोप, असम की रहने वाली थी

सतना (नप्र)। सतना के बरा कला स्थित कान्वेंट स्कूल की छात्रा का शव संदिग्ध हालत में हॉस्टल में मिला है। बताया जा रहा है कि छात्रा प्रतिमा भागवार (16) ने हॉस्टल के कमरे में शाम लगभग सवा 4 बजे फांसी लगाई है। प्रतिमा असम के गोलाघाट जिले के संतीपुर नंबर-2 की रहने वाली थी। पुलिस ने फोन पर छात्रा के परिजन को घटना की सूचना दे दी है।

रविवार शाम करीब 5 बजे चर्च का महिला स्टाफ छात्रा को अस्पताल लेकर पहुंचा। जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रतिमा के गले में फंदे के निशान पाए गए हैं। बताया जा रहा है कि वो पिछले 6 महीने से हॉस्टल में रह रही थी।

घटना के समय कमरे में कोई और छात्रा मौजूद नहीं थी। इस बारे में मिशनरी कैम्पस से जुड़े फादर या अन्य कोई कुछ भी बताने को तैयार नहीं है। फादर नोवी जार्ज से भी पूछताछ में पुलिस को अभी तक कोई खास जानकारी नहीं मिल पाई है।

मौत से पहले बहन से फोन पर हुई थी बात- पुलिस को मृतका के परिजन को घटना की सूचना देने के दौरान ही पता चला कि रविवार दोपहर को ही उसने फोन पर बहन से बात की थी। हालांकि तब उसने किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया था। पुलिस ने जांच के लिए प्रतिमा का फोन जब्त कर लिया है।

फादर ने खुद को पड़ोसी बताया, जांच की मांग- विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नाबालिग छात्रा से ज्यादती का आरोप लगाया है। VHP के अबीर द्विवेदी ने कहा कि हम लोगों ने जब मामले की जानकारी ली तो फादर नोवी जॉर्ज ने पहले खुद को मृतका का पड़ोसी बताया और फिर बाद में चर्च का फादर बताने लगा। प्रशासन और पुलिस को गंभीरता से मामले की जांच करनी चाहिए।

विहिप के जिलाध्यक्ष विक्रम चौधरी ने मंगलवार को आंदोलन करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जब तक बच्ची को न्याय नहीं मिलेगा तब तक हमारा आंदोलन चलेगा।

पुलिस बोली- सभी एंगल पर जांच की जा रही

मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पंचनामे के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्चुरी भेज दिया गया है। टीआई योगेंद्र सिंह ने बताया कि छात्रा के परिजन का इंतजार है। हॉस्टल इंचार्ज, चर्च प्रबंधन और स्टाफ से पूछताछ की जा रही है। अभी ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि ये आत्महत्या है या कुछ और। इसलिए सभी एंगल पर जांच की जा रही है।

सिस्टर बनने की चाहत असम से सतना ले आई- मृतका की बड़ी बहन एलिजाबेथ भागवार ने फोन पर बताया कि 2023 में असम के मार्गेटा सेंटर में उनकी बहन की मुलाकात सतना मिशनरी के सिस्टर ग्रुप से हुई थी। तभी से वह सिस्टर बनना चाह रही थी। रविवार को बहन से बात हुई थी, वह थोड़ा कम बोल रही थी। एलिजाबेथ ने बताया कि वे लोग मंगलवार तक सतना पहुंच पाएंगे। उनकी फ्लाइट की टिकट हो गई है। वो जबलपुर होकर सतना आएंगे।

कृषि मंत्री ने बनवाई फार्मर आईडी कहा-फसल बीमा होगा आसान

शिवराज सिंह ने विदिशा स्थित फार्महाउस का किया दौरा

विदिशा (नप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में सोमवार को अपने फार्महाउस का दौरा किया। उन्होंने यहां अपनी फसलों का जायजा लिया और आम के पेड़ों पर लगे फलों को देखकर खुश हुए। इस दौरान मंत्री चौहान ने स्वयं की फार्मर आईडी बनवाई और अन्य किसानों को भी इसे बनवाने की सलाह दी।

टमाटर के दाम बढ़ने की संभावना-मंत्री

अपने खेत में लगी टमाटर की फसल देखने के बाद चौहान ने कहा कि गर्मी का मौसम आने से टमाटर के दाम बढ़ने की संभावना है। इससे किसानों को आर्थिक लाभ मिल सकेगा। अधिकारियों ने कृषि मंत्री आईडी बनने के बाद प्रमाण पत्र दिया।

किसानों को बताए फार्मर आईडी के लाभ- शिवराज सिंह ने इस मौके पर किसानों के साथ फार्मर आईडी की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि फार्मर आईडी से किसानों को कई लाभ मिलेंगे। कोई अन्य व्यक्ति किसान की जमीन या फसल पर दावा नहीं कर सकेगा। फसल की फोटो खींचकर सीधे पोर्टल पर अपलोड कर बीमा क्लेम किया जा सकेगा। फार्मर आईडी अभियान का मुख्य उद्देश्य देश के हर किसान को टेक्नोलॉजी और सरकारी योजनाओं से जोड़ना है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डिजिटल कृषि मिशन के तहत शुरू की गई फार्मर आईडी, आधारकार्ड बेस्ड किसानों की एक यूनीक डिजिटल पहचान है, जो राज्य की जमीन रिकॉर्ड प्रणाली से सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है। फार्मर आईडी में किसान से जुड़ी सभी जानकारी एक ही जगह उपलब्ध होगी। किसान अपने मोबाइल पर जमीन का खसरा नंबर, परिवार के सदस्यों की जानकारी और खेत की मिट्टी के स्वभाव की जानकारी देख सकेंगे। साथ ही मिट्टी में किन तत्वों की कमी है, यह भी पता चल सकेगा।

आईडी किसानों की पहचान को सुरक्षित करने और उन्हें सरकारी सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने में सहायक है। इस आईडी को हासिल करने के लिए किसानों को आधार कार्ड, राशन कार्ड या फैमिली आईडी और जमीन से जुड़ी जानकारी देनी पड़ती है. बताया जा रहा है कि फार्मर आईडी से किसानों को भविष्य में सरकारी योजनाओं का हासिल करने में आसानी होगी।

रायसेन सड़क हादसों में दो की मौत, तीन घायल

बोलेरो ने 5 को कुचला

रायसेन (नप्र)। रायसेन जिले में रविवार शाम को दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

पहली घटना देवरी के एनएच 45 भोपाल-जबलपुर रोड पर ग्राम पांजरा में हुई। भोपाल से जबलपुर जा रही बोलेरो ने सड़क किनारे खड़ी पांच बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में होटल पर चाय पी रहे पांच लोग बोलेरो की चपेट में आ गए। राहुल आदिवासी की मौके पर ही मौत हो गई। प्रदीप लोधी, घनश्याम लोधी और द्वारका लोधी गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की- ग्रामीणों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार हादसा इतना भीषण था कि किसी को कुछ समझ नहीं आया। देवरी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

नई बाइक लेकर लौटते समय हुआ हादसा

दूसरी घटना बरेली थाना क्षेत्र के एनएच 45 पर हुई। छोटू आदिवासी (25) अपने दोस्त के साथ बरेली से नई बाइक लेकर लौट रहा था। छोटू पल्सर बाइक पर था और उसका दोस्त दूसरी बाइक से पीछे आ रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने छोटू की बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। राहगीरों ने पुलिस और टीम पहल को सूचना दी। घायल छोटू को एंबुलेंस से सिविल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मंडला में सीएम करेंगे लाड़ली बहना योजना का भुगतान

16 को सामूहिक विवाह समारोह में करेंगे 23वीं किस्त का वितरण

मंडला (नप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 अप्रैल को मंडला जिले का दौरा करेंगे। वे ग्राम टिकरवारा में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में शिरकत करेंगे।मंडला विधायक और पीएचई मंत्री संपतिया उइके ने इस कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसी कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 23वीं किस्त का वितरण करेंगे। मंत्री उइके ने कहा कि आमतौर पर यह राशि हर महीने 5 या 10 तारीख को ट्रांसफर की जाती है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाली विभिन्न परियोजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण भी करेंगे। मंडला में आयोजित इस बड़े कार्यक्रम से लाड़ली बहना योजना की राशि प्रदेश की सभी लाभार्थी बहनों के खातों में भेजी जाएगी।

ट्रैक्टर पलटने से किशोर की मौत, ऑटो की टक्कर में चालक गंभीर घायल

सीहोर (नप्र)। सीहोर में दो अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसे हुए। पहली घटना में 16 वर्षीय चिंटू की ट्रैक्टर दुर्घटना में मौत हो गई। वह ग्राम बमुलिया थाना कोतवाली सीहोर का रहने वाला था। घटना गांव के पास हुई, जहां चिंटू ट्रैक्टर चला रहा था। अचानक ट्रैक्टर पलट गया और वह उसके नीचे दब गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सवारी ऑटो और लोडिंग ऑटो की आमने-सामने टक्कर

दूसरी दुर्घटना सैकड़ाखेड़ी जोड़ के पास हुई। यहां एक सवारी ऑटो और लोडिंग ऑटो की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में ऑटो चालक जितेन्द्र (43 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले जिला अस्पताल सीहोर लाया गया। हालत गंभीर होने के कारण भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर किया गया है।पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भोपाल साइबर क्राइम ब्रांच की राजस्थान और गुजरात में कार्रवाई,दो आरोपी गिरफ्तार

भोपाल (नप्र)। ऑनलाइन टास्क कम्पलीट कर प्रॉफिट का झांसा देकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्यों को भोपाल साइबर क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद (गुजरात) और श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर, राजस्थान) से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक मोबाइल और एक सिम कार्ड जब्त किया है। आरोपियों द्वारा लोगों को टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से जोड़कर घर बैठे ऑनलाइन फ्लाइट टिकट बुकिंग और रेटिंग देने जैसे टास्क के बदले कमाई का लालच दिया जाता था। पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र, डीसीपी अपराध अखिल पटेल एवं एडीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान के निर्देशन में और एसीपी साइबर सुजीत तिवारी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

ठगी का तरीका-आरोपियों द्वारा टेलीग्राम पर फर्जी ग्रुप बनाकर लोगों को जोड़ा जाता था और फ्लाइट टिकट बुकिंग के नाम पर फेक वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराया जाता था। शुरुआत में कम रकम डिपॉजिट करवाकर अधिक पैसा वापस भेजा जाता था। इसके बाद अधिक मुनाफे का लालच देकर लाखों रुपए डलवाए जाते थे।

गिरफ्तार आरोपी-कनक भाई अहमदाबादी (32), निवासी चमनपुरा, अहमदाबाद ङ्क आरोपी ने अपराध में प्रयुक्त बैंक खाता किराए पर दिया था। हंसराज गोदारा (22), निवासी श्रीडूंगरगढ़, राजस्थान ङ्क आरोपी ने भी फर्जी खाते किराए पर दिए थे।

संपादकीय

मुर्शिदाबाद : ममता के गले की फांस

केन्द्र सरकार के नए वक्फ कानून के विरोध ने पश्चिम बंगाल में जिस तरह हिंसक मोड़ ले लिया है, वह राज्य की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए गले की हड्डी बनती जा रही है। राज्य में सर्वाधिक हिंसा मुर्शिदाबाद में हो रही है, जो केन्द्रीय बलों की तैनाती के बाद भी कम नहीं हो रही है। ऐसा लगता है कि वहां दंगाई बेखौफ हैं और कई बस्तियों से अल्पसंख्यक हिंदू पलायन करने पर मजबूर हैं। शनिवार को तीन लोगों की मौत इस वक्फ विरोधी दंगे में हुई। इनमें से दो हिंदू पिता पुत्र को घर से खींचकर मारा गया। क्योंकि ये दोनों देवी देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। इसके अलावा वक्फ कानून विरोधी राज्य की पुलिस पर भी जमकर हमले कर रहे हैं और उन्हें रोकने में पुलिस असहाय नजर आ रही है। हैरानी की बात यह है कि मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी अपना मुस्लिम वोट बैंक बचाने के लिए किसी भी हद तक जा रहीं हैं, उसके बाद भी वक्फ विरोधी मुसलमान हिंसा नहीं रोक रहे हैं। मानों राज्य में कानून व्यवस्था कुछ रह ही नहीं गई है। ममता अभी भी केवल मुस्लिम नेताओं से मिल रही हैं, दंगों में मारे जा रहे हिंदुओं से कोई शायद कोई सहानुभूति नहीं है। ममता खुले आम कह चुकी हैं कि वक्फ कानून केन्द्र सरकार का बनाया हुआ है और यह पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होगा (यह संवैधानिक रूप से संभव नहीं है)। उनकी पार्टी संसद में भी वक्फ संशोधन अधिनियम को मुसलमानों के खिलाफ बताते हुए इसके खिलाफ वोट कर चुकी है। बावजूद इसके पश्चिम बंगाल में ही वक्फ कानून को लेकर इतनी हिंसा क्यों हो रही है, इसके पीछे किसका हाथ है? क्या राज्य सरकार ही प्रायोजित कर रही है या फिर कोई दूसरी ताकतें हैं, जिन पर ममता सरकार हाथ डालने से बच रही है? यूं वक्फ कानून के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लोकतंत्र में शांतिपूर्वक विरोध का अधि कार सभी को है, लेकिन पश्चिम बंगाल में जिस तरह हिंसा हो रही है, यह असाधारण है। यह समझना भी मुश्किल है कि केन्द्र सरकार के विरोध का नजला वहां के हिंदुओं पर क्यों निकाला जा रहा है? इस कानून का हिंदुओं से कितना सम्बंध है? उधर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सार्वजनिक रूप से कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को घर से निकाल निकाल कर मारा जा रहा है। राज्य को बांग्लादेश बनाने की कोशिश की जा रही है। जो हालात हैं, उसे देखकर तो लगता है कि ममता बैनर्जी धर्म निरपेक्षता की आड़ में अपने मुस्लिम प्रेम के जाल में खुद ही फंस गई हैं। वो मुसलमानों को नाराज नहीं कर सकतीं। यही कारण है कि राज्य की पुलिस खुद पिट रही है, लेकिन दंगाई मुसलमानों को काबू करने की उसकी हिम्मत नहीं हो रही। दूसरी तरफ हिंदू ममता से दूर होते जा रहे हैं। इसके अलावा 15 साल की एंटी इनकमबेंसी उनके खिलाफ है ही। ऐसे में भाजपा चीख-चीख कर रही है कि पश्चिम बंगाल में हिंदू सुरक्षित नहीं है। अगर हालात नहीं सुधरे तो पश्चिम बंगाल में आगामी चुनाव तक वही होगा, जो करने में भाजपा अब तक नाकाम रही है। वहां हिंदू और मुसलमानों में सीधा विभाजन होता जा रहा है। भाजपा और संघ भीतर ही भीतर उसे हवा दे रहे हैं। यही हाल रहा तो ममता आखिर में अकेली पड़ जाएगी। उनके खिलाफ राज्य में बढ़ती नाराजी के चलते विस चुनाव में कांग्रेस भी उनसे गठबंधन करने में हिचकिचाएगी। वामपंथी तो कभी ममता के साथ आ ही नहीं सकते। नई स्थितियों में हिंदू वोट भाजपा की तरफ आ सकता है, क्योंकि उनका ममता दी से मोहभंग होता दिख रहा है।

नजरिया

सतीश सिंह

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

टैरिफ के बाद भी मजबूत रहेगा शेयर बाजार और अर्थव्यवस्था

अमेरिका ने यूरोपीय देशों के मुकाबले एशियाई देशों पर ज्यादा टैरिफ आरोपित किया है। यह चीन पर 104%, कम्बोडिया पर 49%, वियतनाम पर 46%, बांग्लादेश पर 37%, थाईलैंड पर 36%, ताइवान व इंडोनेशिया पर 32%, पाकिस्तान पर 29%, भारत पर 26% और यूरोपीयन संघ पर 20% है। इसलिए, एशियाई देशों पर के शेयर बाजारों में ज्यादा गिरावट देखी गई है। वैसे, गिरावट के कई घरेलू कारण भी हैं। उदाहरण के तौर पर भारत में विगत 6 महीनों से संसेक्स में गिरावट का दौर जारी है। निफ्टी में भी 1996 के बाद यानी 29 सालों के बाद पिछले कुछ दिनों से लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाने से भारत से निर्यात किए जाने वाले हीरे पर सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ा है, क्योंकि भारत हीरा के उत्पादों के उत्पादन का 1 तिहाई से अधिक निर्यात अमेरिका को करता है।

अमेरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत समेत अमेरिका के साथ कारोबार करने वाले अन्य देशों पर 5 अप्रैल से 10% की बेसलाइन टैरिफ आरोपित करने से प्रभावित देशों के शेयर बाज़ारों में 7 अप्रैल को भारी गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का असर तुलनात्मक दृष्टिकोण से कम रहा और सेंसेक्स और निफ्टी में महज़ 4% के आसपास की गिरावट दर्ज की गई, जबकि सबसे अधिक 15.24% की गिरावट हाँगकाँग के शेयर बाजार में, 10.74% की गिरावट ताइवान के शेयर बाजार में और 8.49% की गिरावट जापान के शेयर बाजार में दर्ज की गई। वहीं, अमेरिका के शेयर बाजार में में 5.75% की गिरावट दर्ज की गई।

अमेरिका ने यूरोपीय देशों के मुक़ाबले एशियाई देशों पर ज्यादा टैरिफ आरोपित किया है। यह चीन पर 104%, कम्बोडिया पर 49%, वियतनाम पर 46%, बांग्लादेश पर 37%, थाईलैंड पर 36%, ताइवान व इंडोनेशिया पर 32%, पाकिस्तान पर 29%, भारत पर 26% और यूरोपीयन संघ पर 20% है। इसलिए, एशियाई देशों पर के शेयर बाजारों में ज्यादा गिरावट देखी गई है। वैसे, गिरावट के कई घरेलू कारण भी हैं। उदाहरण के तौर पर भारत में विगत 6 महीनों से सेंसेक्स में गिरावट का दौर जारी है। निफ्टी में भी 1996 के बाद यानी 29 सालों के बाद पिछले कुछ दिनों से लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाने से भारत से निर्यात किए जाने वाले हीरे पर सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ा है, क्योंकि भारत हीरा के उत्पादों के उत्पादन का 1 तिहाई से अधिक निर्यात अमेरिका को करता है।

इन झंझावातों के बावजूद, एक विदेशी एजेंसी के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.3 से 6.8 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है, वहीं, 9 अप्रैल को मौद्रिक समीक्षा के परिणामों की घोषणा करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के दौरान जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.7% से घटाकर 6.5% और महंगाई के अनुमान को 4.2% से घटाकर 4त्न कर दिया है। ये अनुमान दर्शाते हैं कि अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने से भारतीय अर्थव्यवस्था पर न्यून प्रभाव पड़ेगा।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जीडीपी के वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने पहले अग्रिम अनुमान में जीडीपी वृद्धि दर के 6.4% रहने का अनुमान जताया है, जो पिछले 3 वित्त वर्षों से कम है। गत वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी वृद्धि दर 8.2% रही थी।

जीडीपी में कमी आने के अनुमान के बावजूद, हमारी अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर से बहुत बेहतर है. आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के अनुसार 2024 में वैश्विक जीडीपी वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रही और 2025 में 3.3 प्रतिशत रह सकती है, वहीं, आईएमएफ के मुताबिक वैश्विक अर्थव्यवस्था 2024 में 3.1 प्रतिशत और 2025 में 3.2 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। दुनिया के सबसे

शक्तिशाली देश अमेरिका से भी भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है और आगामी सालों में भी इसके मजबूत बने रहने के आसार हैं। वित्त वर्ष 2024 के दौरान अमेरिका में विकास दर के 2.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 में 2.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

दुनिया के देशों में अभी भी महँगाई का स्तर चिंता का सबब है, लेकिन भारत में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी आने के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर फ़रवरी 2025 में घटकर 3.61 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जो जनवरी महीने में 4.31 प्रतिशत के स्तर पर थी. अभी महंगाई पिछले 6 महीनों में सबसे कम है। यह दिसंबर महीने में 5.22 प्रतिशत के स्तर पर रही थी, जबकि जनवरी 2024 में यह 5.1 प्रतिशत के स्तर पर थी।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सूचकांक सेंसेक्स में कुल 30 कंपनियाँ सूचीबद्ध हैं और एनएसई या निफ्टी में 50 कंपनियाँ सूचीबद्ध हैं। शेयर बाजार में देसी, विदेशी संस्थागत निवेशक, व्यक्तिगत विदेशी निवेशक आदि सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करते हैं। दोनों ही सूचकांक बेहद ही संवेदनशील हैं। जब सूचीबद्ध कंपनियों में से किसी खास कंपनी के शेयर की लगातार बिकवाली की जाती है तो उक्त कंपनी पर से निवेशकों का भरोसा कम हो जाता है और उस कंपनी के शेयरों की कीमत कम हो जाती है, जिससे निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ता है।

शेयरों की कीमत में उतार-चढ़ाव आने के कई कारण होते हैं। जैसे, कंपनी का ख़राब वित्तीय प्रदर्शन या फिर कंपनी का किसी विवाद में पड़ना, राजनीतिक अस्थिरता, सरकार की नीतियाँ, डॉलर के मुक़ाबले रुपए का कमजोर होना, वैश्विक अनिश्चितता, कारोबारी युद्ध, भू-राजनैतिक संकट, फेडरल रिजर्व का रुख आदि। इनके अलावा, शेयरों का अधिक मूल्यांकन और मनोवैज्ञानिक कारण भी शेयर बाजार के क्रैश के कारण होते हैं।

बहरहाल, अमेरिका द्वारा टैरिफ आरोपित करने से भारत को छोड़कर अधिकांश देशों में मंदी की आशंका उत्पन्न हो गई है, क्योंकि टैरिफ की वजह से प्रभावित देशों के आयात में कमी आयेगी, विदेशी मुद्रा की आवक कम होगी, बेरोजगारी में वृद्धि होगी आदि। चूँकि, दुनिया के अनेक देशों की अर्थव्यवस्था पहले से खस्ताहाल है, इसलिए, वहाँ विकास की गति और भी धीमी पड़ सकती है और मंदी को अपना पैर पसारने का मौका मिल सकता है।

भारत कई उत्पादों जैसे, कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स, आईटी सेवाओं, स्टील आदि का निर्यात अमेरिका को करता है। अस्तु, टैरिफ लगने से अमेरिकी बाजार में इन वस्तुओं की लागत बढ़ेगी, जिससे वहाँ इनकी मांग में कमी आयेगी और भारतीय निर्यातकों को नुकसान होगा। साथ ही, इससे भारत में रोजगार में कमी, व्यापार घाटे में बढ़ोतरी, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी, कंपनियों के राजस्व में कमी, आर्थिक गतिविधियों में कमी, विकास की रफ्तार में कमी आदि आ सकती है। निर्यात के स्तर में गिरावट आने से रुपया भी कमजोर हो सकता है, आयात महंगा हो सकता है और मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ सकता है।

वैसे, ऐसी स्थिति के लंबे समय तक बने रहने पर भारत नुकसान की भरपाई के लिए, यूरोपीय संघ, आसियान और मध्य पूर्व जैसे वैकल्पिक बाज़ारों की तलाश कर सकता है। कोरोना काल में भी भारत मास्क और वैक्सीन के मामले में बहुत जल्द आत्मनिर्भर बन गया था। साथ ही, जवाबी कार्रवाई में, अमेरिका से आयात किए जाने वाले कृषि उत्पादों, मोटर साइकिल, चिकित्सा उपकरणों आदि पर टैरिफ लगा सकता है, जिससे नुकसान की कुछ हद तक की भरपाई हो सकती है।

बजट में सरकार का ज़ोर विकास की गति देने का रहा है, जीडीपी वृद्धि दर में जरूर कुछ कमी आई है, लेकिन रेपो दर में कटौती करने और महंगाई में विगत 6 महीनों से कमी आने से इसमें तेजी आने के आसार हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत बनी हुई है और टैरिफ इसे कमजोर नहीं कर सकती है। इसलिए, भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली की गुंजाइश कम है और निवेशकों को निवेश पर आकर्षक प्रतिफल मिलने की संभावना बरकरार है। इसलिए, निवेशकों को घबराने की कतई जरुरत नहीं है, उन्हें बस बेवजह बिकवाली से परहेज करने ने की जरूरत है।

सामयिक

डॉ.संजीव कुमार

लेखक स्तंभकार हैं।

उनको पूजने से ज्यादा उनको पढ़ें

संसार किसी के बगैर रुकता नहीं है, सामान्य समझ रखने वालों की दृष्टि में यही सत्य है परन्तु संसार में कुछ ऐसे व्यक्तियों ने भी जन्म लिया है जिनके बगैर निश्चय ही मानवता के विकास का चक्र रुक जाता या फिर दिशाहीन हो जाता,डॉ.आंबेडकर उनमे से ही एक नाम है। आज जिस प्रकार से संविधान की अवहेलना की जा रही है,दलितों पर प्रताड़ना के मामले बढ़ रहे है ,महिलाओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता से गायब है,अच्छी शिक्षा ङ्कस्वास्थ्य की बात करना तो अब बेमानी सी हो गई है। न्याय कोर्ट नहीं सत्ता में बैठे लोग कर रहे है। अल्पसंख्यक गद्दार घोषित हो चुके है ,कोई जाति महान है तो कोई जाति हिन बन चुकी है। यह सब तब है जब की संविधान में इन सबके विषय और अधिकार की बातें स्पष्ट तौर पर संरक्षित है ,लेकिन आम नागरिकों के बीच इस हाहाकार भरे समाज में (जो राजनितिक है) ऐसी धारणाएं बनाई जा चुकी है कि हमारे संविधान में ही कमी है इसलीए सरकार के लोग बार-बार नए संविधान के रचना की बात करते रहते है। इसलिए आवश्यक है कि हम 'जय भीम' कहने से, उनको पूजने से ज्यादा उनको पढ़ें।

क्या कारण है की आज भी आंबेडकर की प्रतिमाएं सिर्फ दलितों की ही बस्तियों तक सीमित है ,उनका जन्मोत्सव मनाने का उत्साह सिर्फ दलितों में ही देखने को मिलता है ? आज भी सामान्य भारतीयों के भीतर यही बात जड़वत है कि आंबेडकर अंबेडकर ने सिर्फ दलितों के हित के लिए ही कार्य किया है, और हमने उनकी तमाम उपलब्धियों को दलित तक ही सीमित कर दिया जबकि सच्चाई यह है कि उन्होंने महिलाओं, अल्पसंख्यकों, पिछड़ी जातियों सहित उन सभी मानवीय मूल्यों के लिए कार्य किया जिसने एक मजबूत भारत की नींव रखी. डॉ अंबेडकर ने महिलाओं के हक के लिए उन्हें समान मतदान सहित मातृत्व अवकाश रोजगार तथा वेतन के लिए कानून में प्रावधान किया तथा हिंदू महिलाओं के अधिकार के लिए हिंदू कोड बिल के लिए आजीवन लड़ते रहे। अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए उनके संस्कृति, धर्म, उपासना एवं शिक्षा के लिए उन्होंने बाकायदा अनुच्छेद 25 से 30 कानून में इसकी व्यवस्थित व्याख्या के साथ उनका अधिकार संरक्षित किया जिसका आज वे बचाव नहीं कर पा रहे है।

आज बहुत सी पिछड़ी जातियां डॉ. अंबेडकर को न ही जानती है न ही मानती हैं कि उनके आरक्षण की व्यवस्था डॉ. अंबेडकर ने अनुच्छेद 15(4) एवं 16(4) बहुत ही पहले सुरक्षित रख दी थी जो बाद में पिछड़ों के आरक्षण का बुनियाद बना। चूंकि डॉ. अंबेडकर ने निसंदेह रूप से दलितों और स्त्रियों के लिए अनेकों ऐसे कार्य किये जो भारत में हमेशा याद रखा जाना चाहिए, हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि हमारे संकीर्ण समाज ने दलितों, पिछड़ों एवं स्त्रियों के आत्मबल को तोड़ने के लिए जिस मनुस्मृति का सहारा लिया था डॉ अंबेडकर ने सबसे पहले उसे ही जलाकर उन्हें आत्मबल प्रदान किया था।

इसलिए दलितों और स्त्रियों का यह सबसे बड़ा दायित्व बनता है कि वह अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए इस क्रांति को बरकरार रखें, और कभी भी इस भ्रम में ना रहे कि वह आज जिस आजादी और कामयाबी में है थोड़ी बहुत इज्जत और थोड़ा बहुत धन उनके पास जो इकट्ठा हो गया है, उन में उनका रत्ती भर भी योगदान है। अगर नहीं भरोसा है तो आज भी लोकसभा और राज्यसभा का चुनाव दलित और भारतीय स्त्रियां खुला चुनाव लड़कर देख सकती हैं. पर यह बेहद शर्मनाक है कि लोग व्यक्तिगत नशे में है जो दलित कामयाब है उसे अपने ही लोग जाहिल नजर आते हैं ,जो अशिक्षित मजदूर हैं वह पढ़े लिखो की सुनने को तैयार नहीं क्योंकि वह अपने दैनिक मजदूरी में ही अपना भाग्य तलाश रहा है और उसे नियति मानकर बगावत से बचना चाहता है। मुझे अशिक्षितों, मजदूरों से ज्यादा शिकायत नहीं है मुझे शिकायत है पढ़े लिखे कामयाब दलितों से जो अपने कामयाबी को सिर्फ अपना मानते हैं और विशेषतः उन जातियों से जो कालांतर में अछूत घोषित किए गए थे जिनके समाज के लोग अभी भी उसकी सजा भोग रहे हैं। क्या कभी इन कामयाब और तुक्ष लोगों ने अंबेडकर की पीड़ा संघर्ष और त्याग को समझा है? पिछले 75 वर्ष से हर 5 वर्ष में 131 दलित सांसद चुनते आए हैं,हर पंचवर्षीय चुनाव में विधानसभा के लिए 1065 दलित विधानसभा चुनकर पहुंचते हैं आखिर इन लोगों ने अपने समाज के लिए क्या किया ? 75 साल से लगभग हर वर्ष 100 से ज्यादा आईएएस एवं आईपीएस बनते आ रहे हैं आखिर ये अपने समाज के लिए क्या कर रहे हैं? इसके अतिरिक्त अनेक प्रोफेसर ,अध्यापक, दरोगा, जज तमाम ऐसे प्रतिष्ठित पदों पर पहुंचने वाले लोग हैं जो सालों से वहां बैठते आ रहे हैं आखिर वह लोग अपने समाज के लिए क्या कर रहे हैं ?

कभी आप कल्पना करके देखिए अगर भारत में अंबेडकर का जन्म नहीं हुआ होता तो आप क्या होते ? आपके समाज की कैसे दुर्दशा होती ? कुछ लोग इसकी जगह यह कह सकते हैं कि फिर भी कोई न कोई जरूर होता। पर आप दुनिया का इतिहास पलट कर देखिए सबसे पहले अमेरिका में लोकतंत्र की नींव पड़ी पर आपको पता होना चाहिए कि वहां संविधान लागू होने के बावजूद काले लोगों को कोई विशेष अधिकार प्राप्त नहीं था। वहां की स्त्रियों को आरंभ में मतदान का अधिकार नहीं था। रूस हमेशा से तानाशाही देश रहा है चीन के लोकतंत्रका मैं वंचितों शोषितों के लिए विशेष अधिकार आज भी नही है। अरब देशों का लोकतंत्र तो आप जानते ही हैं। आज आपको जो अधिकार प्राप्त है वह इतना आसान नहीं था। उस समय हमारा देश जातीय संकीर्णता से बजबजा रहा था। आपको लगता है इतना आसान था वह सारा अधिकार जिसका सुख आप लोग भोग रहे हैं और सीना तान सोच रहे हैं कि यह सब आपकी योग्यता से मिला है- बिल्कुल नहीं?

अंबेडकर कोलंबिया जाने से पहले यह समझ चुके थे कि किस तरह उन्हें अपने समाज की लड़ाई लड़नी है और इस लड़ाई में उनकी पत्नी रमाबाई जी ने वह सारा त्याग किया जो एक मां अपने पुत्रों के लिए करती है। सचमुच वह दलित समाज की मां थी जिन्होंने अपने पुत्रों के बलि देकर हमारे हितों की रक्षा की है। जब बाबा साहब विदेश में पढ़ाई कर रहे थे तो अपने बड़े पुत्र की मृत्यु की भी खबर उन्होंने उन्हें नहीं दिया था। बाबा साहब ने अपनी पत्नी की पीड़ा ,पुत्र शोक, समाज का तिरस्कार ,लोगों का अपमान सब कुछ सहा और शिक्षा को ही अपनी ताकत बनाएं रखा क्या उन्होंने यह सब अपने लिए किया ?

गोलमेज सम्मेलन का इतिहास शायद आप भूल चुके हो पर वहां तक पहुंचना इतना आसान नहीं था। इसके लिए उन्होंने लंबी योजना बनाकर वर्तमान सरकार और विश्व में अपनी एक छवि तैयार की। क्योंकि गोलमेज का भविष्य उन्हें पता था इसलिए वहां पहुंचने के लिए उन्होंने बहुत ही प्रयास किया। यह वह दौर था जब दलितों की परछाई भी समाज स्वीकार नहीं कर रहा था,पर उन्हें इसका जवाब ढूंढना था और इसका जवाब था ढेर सारा ज्ञान। ज्ञान इतिहास का, संस्कृत का, वेद पुराण का अर्थशास्त्र का भूगोल का राजनीति का भाषा विज्ञान और कानून का। उन्होंने सबके विषय में उच्च ज्ञान अर्जित किया ताकि सब का मुंह तोड़ जवाब दे सके। इस तरह गोलमेज सम्मेलन तथा संविधान पीठ में उन्होंने इसका भरपूर प्रयोग किया जिससे की सभी के धरे के धरे ज्ञान और अहंकार को चकनाचूर हो सके। और फिर आपके लिए वह सारे अधिकार बनाए जो मनुष्य होने के लिए, आपको समान अवसर देने के सभी दरवाजे खोलने के लिए जरूरी थे।

उन्होंने अपने जीवन में 50000 से ज्यादा पुस्तक पढ़ी। दर्जनों डिग्रीयां हासिल की जिसे प्राप्त करने के लिए मनुष्य का एक जीवन कम पड़ जाएगा। अपनी बीमारियों से ग्रसित होते हुए भी अपने पुत्रों को बलि देते हुए भी अपनी स्वयं का सुख का त्याग करते हुए भी उन्होंने ऐसा किया आखिर क्यों सिर्फ अपने लिए,?

तो अब जब तुम जवानी में पागल होकर पढ़ाई छोड़ते हो तो अंबेडकर को पढ़ लेना ,जब तुम कामयाब होना तो अपने पैसे अपने कामयाबी को सिर्फ अपना मत समझना, जब नेता और मंत्री बनना तो किसी और के आगे सर झुकाने से पहले सोचना कि सर कहां झुकाना है, और अपना बंगला बनाने से पहले आसपास भी यह देख लेना कि तुम्हारे अपने लोगों के पास रहने के लिए घर है या नहीं। फिर भी भूलने की जो आदत तुम्हारी ना जाए तो अपना समय और पैसा उड़ाने से पहले अपने आप को आईने के सामने ले जाना और उस आईने के पीछे अंबेडकर की फोटो लगाए रखना ताकि अपनी शक्ल के साथ अंबेडकर को भी देखना शायद तुम्हारा ज़मीर तुम्हें काबिल होने के पागलपन से बाहर निकाल सके।

सख्ती से लागू हो 'एनिमल्स लॉ'

दृष्टिकोण

अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'

पृथ्वी सभी जीवों की आश्रय है। जो सभी जीवों को जीवन, जल, हवा, और भोजन प्रदान करती है। यह हमारे जीवन के लिए आवश्यक संसाधनों का स्त्रोत है। पृथ्वी की सुंदरता, विविधता, और जीवन को बनाए रखने की क्षमता अद्वितीय है। लेकिन आज के मनुष्यों ने स्वयं को सर्वशक्तिशाली मान लिया है और वो समस्त भूमंडल पर अपना अधिकार स्थापित करने का प्रयास करते रहते है। अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए इंसान अन्य जीवो के प्रकृति आवास एवं जीवो को नुकसान पहुंचा रहे है।

प्रकृति और जानवरों के प्रति मनुष्य के कर्तव्य नैतिक, सामाजिक, और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। इंसान को नहीं भूलना चाहिए कि पृथ्वी का आस्तित्व जैव विविधता, जंगलों और पहाड़ों की धनी प्रकृति पर ही टीका है। और इंसान जितना अधिक इन चीजों को नुकसान करेगा, उतना ही अधिक धरती का तापमान बढ़ेगा और जलवायु परिवर्तन से जीवन संकट में आएगा।

वैश्विक स्तर पर 11 अप्रैल को 'पालतू पशु दिवस' के रूप में मनाया जाता है। लेकिन यह दिवस सिर्फ पालतू पशुओं के लिए ही नहीं बल्कि पृथ्वी पर निवास करने वाले सभी पशु-पक्षिओं के प्रति प्रेम एवं संरक्षण के प्रति जागरूकता हैं। लोगों को पशुओं के प्रति जिम्मेदारी और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में सोचने का मौका देता है।

भारत एक ऐसा देश है जहाँ पशुओं का सांस्कृतिक, धार्मिक और पारिस्थितिक महत्व रहा है। हाल की वर्षों से विकास कार्य की आड़ में जिस तरह से जानवरों के प्रकृति आवास का विनाश किया जा रहा है, ये काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। आधुनिकता और विकास के नाम पर जंगलों की कटाई और पहाड़ों पर दखलंदाजी एक गलत निर्णय है। भारत में पशुओं के संरक्षण और कल्याण के लिए कई कानून मौजूद हैं, जो पालतू और जंगली दोनों तरह के जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

भारतीय संविधान में विभिन्न अधिनियमों के माध्यम से पशुओं के प्रति क्रूरता को रोकने और उनकी देखभाल को बढ़ावा देने के लिए कानूनी ढांचा तैयार किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 51 A(g) में भारत के हर नागरिक का मूल कर्तव्य है कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करे, जिसमें जंगल, नदियाँ, झीलें और वन्यजीव शामिल हैं, साथ ही सभी जीवित प्राणियों के प्रति करुणा रखे। अनुच्छेद 48 में राज्य को पर्यावरण की रक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण का आदेश है।

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960- भारत का सबसे महत्वपूर्ण पशु कल्याण कानून है, जिसका उद्देश्य जानवरों को अनावश्यक पीड़ा और क्रूरता से बचाना है। इसमें धारा 11 किसी भी जानवर को पीटना, लात मारना, भूखा रखना, या पालकर छोड़ देना अपराध है। इसी अधिनियम के तहत एनिमल्स वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया की स्थापना हुई थी। धारा 9 में संरक्षित प्रजातियों का शिकार करना या उन्हें पालतू बनाना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

भारत में वन संरक्षण अधिनियम और विभिन्न पशु संरक्षण कानूनों के होने के बावजूद भी, जीवों, जंगलों और वन्यजीवों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। आए दिन जानवरों के साथ इंसानों द्वारा क्रूरता की घटनाएं देखने को मिल जाती है। इन कानूनों का उद्देश्य वनों की कटाई को रोकना, जैव विविधता को संरक्षित करना और वन्यजीवों के अवैध शिकार तथा व्यापार पर अंकुश लगाना है। एनिमल्स लॉ के प्रति कानून का कड़ाई से सक्रिय होना जरूरी हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सूर्यदीप कुशवाहा

सरकारी काम में मारा-मारी, भ्रष्टाचार नामक बीमारी

लंबे अरसे से भ्रष्टाचार नामक बीमारी है।
सरकारी विभागों में इस विषाणु को पनपने का मुफीद वातावरण मिलता है। इसकी उम्र सत्तर सालों से अब ऊपर है। अतः ऊपर से स्तर सुधारने का प्रयास किया जा रहा है। बावजूद इसके बीमारी भाषणों से नीचे नहीं बढ़ पा रहा। लेकिन हकीकत में वह बढ़ रहा। तमाम सख्त कदम उठाने के बाद भी अब भी खबरों में छनकर भ्रष्टाचार आ ही जाता है। यह बीमारी किन विभागों में आने से बच रही है। भगवान के अलावा किसी को पता है। सत्तर सालों के दौरान एकाएक यह बढ़ी संख्या अब धीरे-धीरे फिर घटती जा रही है। यह दावा भी हौसला खोता जा रहा है और खोखला ही साबित हो रहा है। ईमानदारी सिर्फ भाषणों में है इसका कोई सबूत नहीं है। सरकारी विभागों के बड़े-बड़े अधिकारी हर जगह बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं जबकि पड़ताल में कुछ और दाल काली है। भले लीपापोती है।

सरकार सख्त होती भी है पर उसका परिणाम असर कोई खास नहीं दे पा रहा। इसकी मुख्य वजह है कि उन कारणों को खोजा ही नहीं जा रहा जिनकी वजह से भ्रष्टाचार दानव को पनपने का वसंत आ रहा। पहले के जमाने में भ्रष्टाचारी को हेय दृष्टि से देखते थे, लेकिन आजकल के जमाने में सम्मान की दृष्टि से। आमजन की भी सोच अब तक यही है कि सरकारी भ्रष्टाचार स्वविकास की मास्टर चाभी है। हालांकि प्राइवेट संस्थानों में भी भ्रष्टाचार की अच्छी फसल होती है। जिनको धन्नासेठ खूब बढ़िया से काटते हैं। कब भ्रष्टाचार दानव का अंत होगा?आखिर क्यों, इसका जवाब असमंजस में डाल देता है। मोटी-मोटी पगार लेने वाले महान अफसर भी घूस को महाप्रसाद समझ सिर-माथे लगा ग्रहण करते हैं। समाज में घूस खाने वाला बड़ा होशियार समझा जाता है। इसका राज समझ में नहीं आता। वो इसलिए भी कि इस राज को राज ही रहने दिया जा रहा है। उन मूल कारणों पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा जो सरकारी भ्रष्टाचार का स्तर गिरा रहे हैं। कई बार ऐसी शिकायतें होने के बाद भी और शिकायतकर्ता की जिंदगी के बाद भी इंसाफ साफ माफी मांगता है। लेकिन भ्रष्टाचारी वैभव सम्मानित और विलासितापूर्ण जीवन जीता है। वंचित समाज रोता है।

सही वक्त तक जिम्मेदार नदारद रहते हैं। सरकारों के एक इशारा पर विभाग के बड़े अधिकारी इनका संरक्षण करते हैं। मुखिया के मीटिंग का भी कोई खास असर नहीं होता तो मरे सिस्टम में सुधार क्या होगा। इस पर भी ध्यान नहीं दिया जाता। गिरती ईमानदारी ही तो हैं जिसने कई दफा भ्रष्टाचार मर्ज को उठाने में मदद की। केवल खाना-पूर्ति करने का ही जिम्मा उठाने से भ्रष्टाचार बीमारी नहीं मिटेगी। सख्त कदम जरूरी है। जहां नियम-कायदे के पाबंद माने जाते हैं वहीं किसी का डर-भय ही नहीं। नजीर पेश करने वाली कार्रवाई होगी पर होता कुछ नहीं है। राजनीतिक संरक्षण जहां काफी संख्या में मनमानी करने की छूट और लूट देती है। आपके अनुसार कारण और भी होंगे पर क्या कभी इन्हें दूर कर सरकारी विभागों की छवि सुधारी जाएगी या सरकारी काम में मारा-मारी, भ्रष्टाचार नामक बीमारी देश को घुनती रहेगी।

तकनीक

गंगा पाण्डेय
(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

डीपफेक : साइबर अपराधों का नया हथियार

तकनीकी विकास के साथ-साथ साइबर अपराधों के तरीके भी लगातार बदल रहे हैं। हाल के वर्षों में एक नई तकनीक, जिसे डीपफेक कहा जाता है, ने डिजिटल दुनिया में हलचल मचा दी है। डीपफेक तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग (ML) का उपयोग करके किसी व्यक्ति की आवाज़, चेहरा या हावभाव को हूबहू नकल करने की क्षमता रखती है। इसका उपयोग मनोरंजन, शिक्षा और मीडिया में सकारात्मक रूप से किया जा सकता है, लेकिन इसके दुरुपयोग से समाज को गंभीर खतरे भी पैदा हो सकते हैं। विशेष रूप से, साइबर अपराधों के संदर्भ में डीपफेक एक नई चुनौती बनकर उभर रहा है।

तकनीकी विकास के साथ-साथ साइबर अपराधों के तरीके भी लगातार बदल रहे हैं। हाल के वर्षों में एक नई तकनीक, जिसे डीपफेक कहा जाता है, ने डिजिटल दुनिया में हलचल मचा दी है। डीपफेक तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग (ML) का उपयोग करके किसी व्यक्ति की आवाज़, चेहरा या हावभाव को हूबहू नकल करने की क्षमता रखती है। इसका उपयोग मनोरंजन, शिक्षा और मीडिया में सकारात्मक रूप से किया जा सकता है, लेकिन इसके दुरुपयोग से समाज को गंभीर खतरे भी पैदा हो सकते हैं। विशेष रूप से, साइबर अपराधों के संदर्भ में डीपफेक एक नई चुनौती बनकर उभर रहा है।

डीपफेक टेक्नोलॉजी क्या है?

डीपफेक (Deepfake) शब्द 'डीप लर्निंग' और 'फेक' शब्दों का मिश्रण है। यह तकनीक कृत्रिम न्यूरल नेटवर्क (Artificial Neural Networks) के माध्यम से किसी भी व्यक्ति की छवि या वीडियो को इस तरह बदल सकती है कि यह असली जैसा लगे। इसमें GANs (Generative Adversarial Networks) का उपयोग किया जाता है, जो एक मॉडल को वास्तविक और नकली छवियों में भेद करना सिखाते हैं और धीरे-धीरे फर्जी तस्वीरों को इतना परिष्कृत बना देते हैं कि वे असली से अलग करना मुश्किल हो जाता है।

डीपफेक के खतरनाक पहलू

हालांकि डीपफेक का उपयोग फिल्म उद्योग, विज्ञापन, और शिक्षा में रचनात्मक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, लेकिन यह साइबर अपराधियों के लिए भी एक ताकतवर हथियार बन गया है। इसके कारण कई गंभीर खतरे सामने आ रहे हैं-

1. फर्जी वीडियो और धोखाधड़ी

डीपफेक का सबसे बड़ा खतरा नकली वीडियो और ऑडियो संदेशों के माध्यम से धोखाधड़ी करना है। कई मामलों में, बड़े राजनेताओं, बिजनेस लीडर्स या मशहूर हस्तियों की डीपफेक वीडियो बनाकर उन्हें विवादों में घसीटा गया है। इसका उपयोग राजनीतिक प्रचार, झूठी खबरें फैलाने और किसी व्यक्ति की छवि खराब करने के लिए किया जा सकता है।

2. साइबर जबरन वसूली और ब्लैकमेलिंग

डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल साइबर अपराधी ब्लैकमेलिंग के लिए कर सकते हैं। वे किसी भी व्यक्ति का फर्जी आपत्तिजनक वीडियो तैयार कर सकते हैं और उसे सार्वजनिक करने की धमकी देकर पैसे या अन्य फायदे मांग सकते हैं। कई मामलों में, अपराधी महिलाओं के नकली अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल कर चुके हैं, जिससे उनकी निजी जिंदगी बर्बाद हो सकती है।

3. फर्जी कॉल और स्पूफिंग (Deepfake Voice Fraud)

अब केवल वीडियो ही नहीं, बल्कि आवाज़ की नकल भी डीपफेक तकनीक से संभव हो गई है। कई मामलों में साइबर अपराधी किसी कंपनी के CEO, बैंक अधिकारी या किसी करीबी व्यक्ति की आवाज़ की हूबहू नकल कर सकते हैं और फोन पर बैंक से पैसे ट्रांसफर कराने जैसी धोखाधड़ी कर सकते हैं। हाल ही में, एक रिपोर्ट में सामने आया कि डीपफेक वॉयस के जरिए एक कंपनी से लाखों डॉलर ठग लिए गए।

4. पहचान की चोरी और फर्जी दस्तावेज़

डीपफेक का उपयोग कर अपराधी किसी व्यक्ति की नकली पहचान बनाकर धोखाधड़ी कर सकते हैं। बायोमेट्रिक सिक्योरिटी सिस्टम, जो चेहरे की पहचान (Facial Recognition) पर निर्भर करते हैं, डीपफेक की वजह से कमजोर हो सकते हैं। इससे पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य सरकारी दस्तावेज़ों की नकली प्रतियां बनाई जा सकती हैं।

5. राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता

डीपफेक का उपयोग चुनावों में ग़लत सूचना फैलाने के लिए किया जा सकता है। फर्जी वीडियो और ऑडियो क्लिप्स के माध्यम से नेताओं के बयानों को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे राजनीतिक माहौल प्रभावित हो सकता है। इससे लोकतंत्र को खतरा हो सकता है और आम जनता भ्रमित हो सकती है।

भारत में डीपफेक के बढ़ते मामले

भारत में भी डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में, कई मशहूर हस्तियों और नेताओं के नकली वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिनका उद्देश्य उनकी छवि खराब करना था। वर्ष 2023-24 में कई मामलों में देखा गया कि डीपफेक का इस्तेमाल कर फर्जी न्यूज़ फैलाई गई और धार्मिक तथा सामाजिक अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की गई।

सरकारी एजेंसियां और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ इस खतरे से निपटने के लिए नई रणनीतियाँ अपना रहे हैं, लेकिन यह चुनौती आसान नहीं है।

डीपफेक से निपटने के लिए कानूनी और तकनीकी उपाय

डीपफेक के बढ़ते खतरों को देखते हुए, कई देशों में इसके खिलाफ कड़े कानून बनाए जा रहे हैं। भारत में भी आईटी एक्ट (IT Act, 2000) और विभिन्न साइबर अपराध कानूनों के तहत डीपफेक से जुड़े अपराधों पर कार्यवाही की जा रही है।

1. कानूनों को मजबूत बनाना

सरकार को डीपफेक से संबंधित कड़े कानून बनाने की जरूरत है, जिससे इसका दुरुपयोग करने वालों को सख्त सजा मिले। वर्तमान में आईटी अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कुछ प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन ये पूरी तरह से प्रभावी नहीं हैं।

2. डीपफेक पहचानने वाली तकनीकों का विकास

AI और मशीन लर्निंग का उपयोग कर ऐसे टूल्स विकसित किए जा सकते हैं जो डीपफेक वीडियो और ऑडियो को पकड़ सकें। कई कंपनियां इस दिशा में काम कर रही हैं और डीपफेक डिटेक्शन एल्गोरिदम विकसित कर रही हैं।

3. डिजिटल साक्षरता और जागरूकता बढ़ाना

आम जनता को डीपफेक के खतरों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले किसी भी वीडियो या ऑडियो को बिना जांचे-परखे साझा करने से बचना चाहिए।

4. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी

फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ऐसे उपाय अपनाने चाहिए जिससे नकली और भ्रामक सामग्री को तुरंत हटाया जा सके।

5. साइबर सिक्योरिटी को मजबूत बनाना

सरकार और निजी संगठनों को साइबर सिक्योरिटी पर अधिक ध्यान देना चाहिए। बैंकों, सरकारी एजेंसियों और कॉर्पोरेट सेक्टर को डीपफेक हमलों से बचाने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा तंत्र अपनाना चाहिए।

डीपफेक तकनीक जहां एक ओर मनोरंजन और शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है, वहीं दूसरी ओर यह साइबर अपराधों के लिए गंभीर खतरा भी बन चुकी है। इसके दुरुपयोग से सामाजिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत स्तर पर कई परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। सरकार, टेक कंपनियों और आम जनता को मिलकर इस चुनौती से निपटने के लिए प्रयास करने होंगे। डिजिटल युग में सुरक्षा और निजता बनाए रखना अब पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

विचार

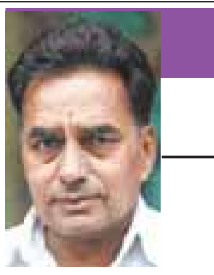

राजेंद्र बज
लेखक स्तंभकार हैं।

राजनीतिक पूर्वाग्रह के चलते केंद्र के कानून की अनदेखी ठीक नहीं

ऐसे अनेक अवसर आए हैं जब राजनीतिक पूर्वाग्रह के चलते केंद्र के कानून को कुछ राज्य सरकारों द्वारा अमल में लाने से इनकार कर दिया गय। वैसे अलग अलग दल की सरकार होने पर केंद्र तथा राज्य के संबंधों में तकरार स्वाभाविक रूप से हो सकती है। लेकिन ऐसी तकरार अपने अहम की तुष्टि हेतु होने लगे तब समस्याएं विकट होती जाती है। दशकों पूर्व केंद्र व राज्य संबंधों की समीक्षा हेतु बहुतेरे प्रयास किए गए। लेकिन जैसे-जैसे क्षेत्रीय नेतृत्व की राजनीतिक महत्वाकांक्षा बढ़ती रही वैसे वैसे इन संबंधों में दूरियां बनने लगी। वर्तमान व्यवसायिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक रूप से विभिन्न प्रांतवासी परस्पर बेहतर तालमेल रखते हैं। कहीं कोई पूर्वाग्रह या कटुता के भाव नहीं होते। साथ ही एक दूसरे की संस्कृति को आपस में साझा करने की उत्कंठा का परिचय भी मिलता है।

परस्पर जिज्ञासु भाव के आकर्षण के चलते अलग अलग तौर-तरीकों को सीखने व समझने का व्यापक अनुभव पाने की भावना भी बलवती होती देखी जाती है। दरअसल जो भी कुछ अवरोध है,वह राजनीतिक स्तर पर है। धार्मिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक स्तर पर कहीं कोई किसी प्रकार का मतभेद नहीं है और ना ही किसी प्रकार की असहमति है। बावजूद इसके जो समस्या है वह शत प्रतिशत राजनीतिक ही है। दरअसल वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में राजनीति के तौर-तरीकों में अमर्यादित आचरण और व्यवहार गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। येन केन प्रकारेण सत्ता प्राप्ति की अंधी चाहत के चलते नैतिकता को ताक पर रख देने के निकृष्ट उदाहरण भी देखे जाते हैं। वास्तव में राजनीति के मूल स्वरूप में दिनोंदिन विकृति व्याप्त होती जा रही है।

उक्त संदर्भों में राजनीति का शुद्धिकरण समय की मांग है। इस दिशा में विभिन्न शीर्ष राजनीतिक दलों के नेतृत्व को गंभीरतापूर्वक कदम उठाते हुए इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहिए। इस समय देश-प्रदेश में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के मूल कारण की ओर दृष्टिपात करने पर समस्याओं की जड़ में राजनीतिक विकृति को ही जिम्मेदार ठहराया जा सकेगा। दरअसल राष्ट्र के व्यापक हितों के मद्देनजर राजनीतिक स्वार्थसिद्धि की भावना का परित्याग ही देश के विकास को नए आयाम दे सकता है। विभिन्न राजनीतिक दलों को दलीय हित से कहीं आगे राष्ट्रहित को प्राथमिकता देनी चाहिए। सत्ता के

प्रति आतुरता के चलते राष्ट्रहित को दांव पर नहीं लगाना चाहिए। अनेकता में एकता के ताने-बाने को और अधिक सशक्त धरातल दिए जाने की अत्यंत आवश्यकता है।

कुल मिलाकर तमाम विसंगतियों के बावजूद हम वैश्विक स्तर पर प्रगति की धारा में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। ऐसे में यदि सुधारवादी प्रक्रियाओं को आत्मसात कर लिया जाए, तो निश्चित रूप से हम विश्व की महाशक्ति के रूप में तीव्र गति से उभर कर सामने आ सकते हैं। हमारे देश में प्राकृतिक साधनों की प्रचुरता है, शारीरिक एवं मानसिक श्रम शक्ति भरपूर है और दिनोंदिन हमारी प्रगति की रफ्तार भी तीव्र होती जा रही है। ऐसे में दृढ़संकल्प और इच्छाशक्ति के साथ विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त तमाम विकृतियों का निदान करते हुए हम अप्रत्याशित उपलब्धियों को भी पा सकते हैं। जरूरत केवल इस बात की है कि राजनीतिक पूर्वाग्रह की प्रबलता का परित्याग करते हुए विभिन्न राजनीतिक दल इस विषयक संज्ञान लेवे।

वास्तव में विकास की प्रक्रिया को निर्धारित करते हुए एकल एवं सामूहिक जिम्मेदारियों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। एक व्यक्ति समाज को क्या दे सकता है और समाज देश को क्या दे सकता है, इसका निर्धारण होने पर प्रत्येक व्यक्ति एवं प्रत्येक समाज के समक्ष अलग-अलग दिशा और विधा में लक्ष्य सुनिश्चित किए जा सकेंगे। इस प्रक्रिया को निरंतर विस्तार देते हुए भारतीयों को मुख्यधारा के साथ जोड़कर देश के महाशक्ति की दिशा में बढ़ते कदमों को अंतिम लक्ष्य की ओर बढ़ाया जा सकता है। ऐसा होना असंभव भी नहीं है, सदियों तक की दासता के पश्चात अब हमारा मान सम्मान और स्वाभिमान एक भारतीय के नाते विश्व के किसी भी नागरिक से कम नहीं है। हमारी विश्व वंदनीय गौरवशाली भारतीय संस्कृति विश्व को एक नई दिशा दे सकती है, बशर्ते कि हम अपने आप को पहचान ले।

हमारी संस्कृति हमें यह सिखाती है कि जब लक्ष्य बड़े हो, तब छोटे बड़े त्याग के प्रति भी हमें अपनी मानसिकता बनाना होगी। व्यक्ति से समाज है और समाज से देश है। इसलिए व्यक्तिगत और सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के प्रति हमे दृढ़ संकल्पित होना चाहिए। यकीनन ऐसा होने पर हम समूचे विश्व में मानवता को परिभाषित करते हुए एक नया संसार रच देने का कौशल दिखा सकते हैं। यह कपोलकल्पित तथ्य नहीं है, अपितु देश के इतिहास के आधार पर भविष्य की ऐसी परिकल्पना है,जिसे साकार सिद्ध करने का अद्भुत सामर्थ्य हम भारतीय रखते हैं। खैर, आज नहीं तो कल, लेकिन जागना तो होगा। आशा की जानी चाहिए कि एक नए युग का सूत्रपात करने की दिशा में आप और हम आगे आए और नया संसार रचाए।

अंबेडकर जयंती प्रसंग

मनीष जैसल
लेखक मीडिया प्राध्यापक हैं।

संविधान को जीवन में उतारना है अब जरूरी

भारत के सामाजिक और राजनीतिक मंचों पर संविधान का बार-बार ज़िक्र किया जाता है। यह चर्चा संसद से लेकर सड़क तक होती है। संविधान के अनुच्छेदों का हवाला देते हुए बहसें होती हैं, लेकिन यह एक कड़वा सच है कि भारत के सामान्य नागरिक को उसके जीवन में संविधान की भावना से जोड़ने की ठोस कोशिशें बहुत कम हुई हैं। संविधान को हमने काग़ज़ों, अदालतों और सरकारी संस्थाओं तक सीमित कर दिया है। वह जीवन का दस्तावेज़ है, लेकिन व्यवहार में कई बार वह केवल दीवार पर टंगी प्रस्तावना या पुस्तकालयों में धूल फांकती किताब बनकर रह जाता है।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यही है- क्या हम संविधान को जी पा रहे हैं? क्या हम बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की उस मूल भावना को समझ पाए हैं, जिसके तहत यह संविधान रचा गया था?

हर साल 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जयंती एक उत्सव की तरह मनाई जाती है। झांकियाँ निकलती हैं, नारों की गूंज होती है, और सोशल मीडिया पर 'जय भीम' की भरमार रहती है। लेकिन क्या यही पर्याप्त है? बाबा साहेब का स्मरण क्या केवल समारोहों और नारों तक सीमित रह गया है?

उनका जीवन हमें कुछ और कहता है। उनका सपना एक ऐसे भारत का था जहाँ हर नागरिक को समान अवसर मिले, हर व्यक्ति की गरिमा सुनिश्चित हो, और हर समुदाय को न्याय मिले। डॉ. आंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि तब ही दी जा सकती है जब हम उनके बनाए संविधान को केवल पुस्तक तक सीमित न रखें, बल्कि उसे अपने विचार, व्यवहार और निर्णयों में आत्मसात करें।

डॉ. आंबेडकर का जीवन किसी प्रेरणात्मक महाकाव्य से कम नहीं है। महाराष्ट्र के छोटे से गांव में जन्मे भीमराव, समाज की सबसे निचली पंक्ति माने जाने वाले महार समुदाय से थे। उन्हें न तो स्कूल में पानी पीने की इजाज़त थी, न ही बैठकर पढ़ने का अधिकार। लेकिन उन्होंने अपमान को आत्मबल में बदला और अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी करने वाले पहले भारतीयों में से एक बने। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई करके वह भारत लौटे और फिर जीवन भर सामाजिक समानता और मानवाधिकार की लड़ाई लड़ी।

26 नवम्बर 1949 को जब संविधान को अपनाया गया, वह केवल कानूनी दस्तावेज़ नहीं था। वह बाबा साहेब के जीवन का निचोड़ था। उन्होंने उसमें वह सब कुछ समाहित किया जिसे उन्होंने अपने अनुभवों और संघर्षों से सीखा था।

संविधान की प्रस्तावना में जो चार मूल्य - न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता - अंकित हैं, वे केवल सिद्धांत नहीं हैं, बल्कि भारत के भविष्य का मार्गदर्शन करते हैं। यह संविधान उस देश में रचा गया जहाँ जाति, लिंग, धर्म, भाषा और वर्ग के आधार पर भेदभाव गहराई तक मौजूद था।

संविधान ने पहली बार यह घोषणा की कि इस देश के सभी नागरिक समान हैं। यह कोई छोटी बात नहीं थी - यह एक सामाजिक क्रांति थी। यह विचार कि एक दलित और एक ब्राह्मण, एक महिला और एक पुरुष, एक हिंदू और एक मुसलमान - सब एक जैसे अधिकार रखते हैं - अपने आप में क्रांतिकारी था।

संविधान सभा में डॉ. आंबेडकर को ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया। यह उनकी प्रतिभा, विद्वता और दूरदृष्टि का प्रमाण था। सभा में लगभग तीन साल तक हर छोटे से छोटे विषय पर गंभीर बहस हुई। हर धारा, हर अनुच्छेद पर संवाद हुआ, मतभेद सामने आए और फिर समन्वय से उसे तैयार किया गया। बाबा साहेब ने सभी विचारों को सम्मान दिया और ऐसा संविधान रचा जो बहुलतावादी भारत को

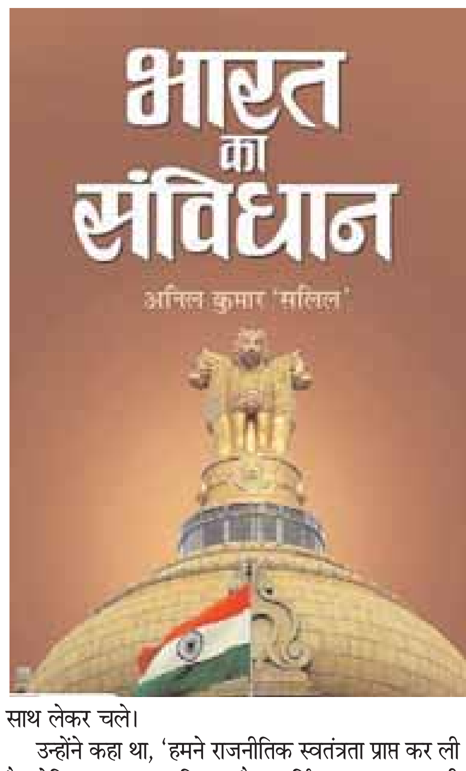

साथ लेकर चले।

उन्होंने कहा था, 'हमने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त कर ली है, लेकिन अगर सामाजिक और आर्थिक असमानता बनी रही, तो यह स्वतंत्रता एक दिन तानाशाही में बदल सकती है।'

उनकी यह चेतावनी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी उस दिन थी। संविधान केवल विधायिका या न्यायपालिका के लिए नियमों का संग्रह नहीं है, वह हर नागरिक के लिए जीवन जीने का एक आदर्श है।

सामाजिक न्याय के अंतर्गत - छुआछूत पर रोक, दलितों, महिलाओं, बच्चों और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, शोषण से मुक्ति जैसे प्रावधान हैं।

आर्थिक न्याय के अंतर्गत - सभी के लिए काम का अधिकार, समान कार्य के लिए समान वेतन, बंधुआ मज़दूरी पर रोक, संपत्ति में अधिकार जैसे अधिकार आते हैं।

राजनीतिक न्याय - सार्वभौमिक मताधिकार, चुनाव लड़ने का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून की नजर में समानता जैसे अधिकार देता है।

बाबा साहेब व्यक्ति की स्वतंत्रता को सर्वोपरि मानते थे। उन्होंने संविधान में ऐसी धाराएँ शामिल कीं जिससे हर नागरिक भय, भूख, अपमान, शोषण और भेदभाव से मुक्ति पाए।

बाबा साहेब मानते थे कि समता का अर्थ समान अवसर ही नहीं, बल्कि समान सम्मान भी है। उन्होंने विशेष रूप से ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों की वकालत की थी। आज जब सुप्रीम कोर्ट LGBTQ+ अधिकारों पर निर्णय देता है, वह उस विचार की प्रतिध्वनि है जो बाबा साहेब ने 70 वर्ष पहले व्यक्त की थी।

मानव गरिमा को संविधान का मूल आधार मानते हुए उन्होंने कहा - 'किसी भी राष्ट्र का मूल्यांकन इस बात से किया जा सकता है कि वह अपने सबसे कमज़ोर नागरिक के साथ कैसा व्यवहार करता है।'

संविधान को जीवन में कैसे उतारा जाना चाहिए?

संवैधानिक साक्षरता- आज भी लाखों भारतीय यह नहीं जानते कि संविधान उन्हें क्या अधिकार देता है। क्या हम अपने बच्चों को संविधान की प्रस्तावना पढ़ाते हैं? क्या गाँवों में बैठकों में संविधान की बात होती है? अगर नहीं, तो यह संविधान के साथ अन्याय है।

संविधान क्लब- स्कूल, कॉलेज, पंचायत और शहरों में संविधान क्लब बनाए जाएँ। छात्रों को नाटक, वाद-विवाद, पोस्टर और कहानी के ज़रिए संविधान को समझने दिया जाए। हर साल 26 नवम्बर को केवल शपथ नहीं, संवाद हो - कि हम संविधान को अपने आचरण में उतारेंगे।

मीडिया और सिनेमा की भूमिका- टीवी चैनल्स, अख़बार, वेब सीरीज़ और फ़िल्में संविधान के मूल्य जैसे न्याय, समानता, स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता को प्रोत्साहित करें। हम भले ही 'डेमोक्रेसी' शब्द बोलते हों, लेकिन क्या हमने 'गणतंत्र' का अर्थ समाज को बताया?

हर सरकारी अधिकारी की संवैधानिक ट्रेनिंग- जब अधिकारी संविधान की आत्मा समझेंगे, तब वह जनता के साथ न्याय कर सकेंगे।

संवैधानिक नैतिकता का प्रसार- डॉ. आंबेडकर ने 'संवैधानिक नैतिकता' की बात कही थी। इसका अर्थ है - हर विचार, नीति और निर्णय इस आधार पर हो कि वह संविधान के मूल्यों के अनुरूप है या नहीं।

संविधान केवल एक दस्तावेज़ नहीं, एक जीवंत विचार है। जब किसी आदिवासी महिला को मनरेगा में काम मिलता है, जब एक दलित छात्र विश्वविद्यालय की परीक्षा में टॉपर बनता है, जब एक मुस्लिम लड़की को पुलिस सुरक्षा मिलती है, जब एक ट्रांसजेंडर को सम्मान से नौकरी दी जाती है - तब संविधान बोलता है। मुझे लगता है तब बाबा साहेब भी मुस्कुराते होंगे ।

हमें यह याद रखना होगा कि संविधान को केवल अदालतों और सरकारी नीतियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। वह हर नागरिक के व्यवहार, सोच और कर्म में उतरना चाहिए। जब हम संविधान को जीने लगेंगे - तभी हम बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि दे पाएंगे।

डॉ. आंबेडकर ने कहा था - 'मैं उस दिन को देखने की प्रतीक्षा कर रहा हूँ जब इस देश का हर व्यक्ति कहेगा - हम पहले और आखिरी तक भारतीय हैं।'

यह कथन केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का आह्वान है। जाति, धर्म, भाषा, प्रांत से परे भारतीयता की भावना को जीवित करना ही संविधान को जीना है।

चलती मेमो ट्रेन से गिरे गार्ड, पैर कटा

बैतूल। इटारसी से आमला आ रही मेमो पैसेंजर ट्रेन के गार्ड प्रताप ठाकुर धाराखोह स्टेशन पर चलती ट्रेन से गिर गए। गिरने के कारण उनके दोनों पैर कट गए। घटना रविवार शाम 4 बजे हुई। जीआरपी पुलिस चौकी प्रभारी रविश कुमार ने बताया कि ये घटना मेमो पैसेंजर क्रमांक 61122 के धाराखोह स्टेशन से रवाना होने के दौरान हुई। पॉइंट्स मैन के अनुसार, गार्ड ट्रेन को झंडी दिखाते समय संतुलन खो बैठे और ट्रेन की चपेट में आ गए। घायल गार्ड को पहले जिला अस्पताल लाया गया। उनका एक पैर पिंडली से और दूसरा पैर घुटने से कट गया है। गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए नागपुर रेफर कर दिया गया है। जीआरपी ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

प्री मानसून मेंटनेंस के कारण रहेगी बिजली गुल

सारणी। वितरण केन्द्र सारनी के अंतर्गत आने वाले 11 केव्ही हॉस्पिटल कॉलोनी फीडर पर आज 15 अप्रैल मंगलवार को समय दोपहर 1.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक लाईन रखरखाव हेतु प्री-मानसून मेटेनेंस का कार्य किया जाना है। जिसके कारण विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। इस दौरान वार्ड 29 एवं उसके आस-पास के क्षेत्रो की विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। साथ ही 33/11 केव्ही पुलिस चौकी उपकेन्द्र रखरखाव के लिए मेंटनेंस का कार्य किये जाने के कारण राजेन्द्र नगर, पुराना बाजार एवं ड्रिलिंग कैम्प फीडर पर समय दोपहर 2.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। उक्त फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र वार्ड क्रमांक-14 से वार्ड क्रमांक-28 एवं उसके आस-पास के क्षेत्रो की विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

जिले में मिशन परिवार विकास पखवाड़ा 25 अप्रैल तक

बैतूल। परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत परिवार नियोजन की सेवाओं के प्रति जागरूकता एवं स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए 25 अप्रैल 2025 तक जिले में मिशन परिवार विकास पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजेश परिहार ने बताया कि पखवाड़े में सभी स्वास्थ्य संस्थाओं जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र में परिवार नियोजन से संबंधित समस्त गर्भनिरोधक साधनों के प्रति जागरूकता का आयोजन किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ.परिहार ने मैदानी अमले को मिशन परिवार विकास पखवाड़े के तहत नसबंदी, पीपीआईयूसीडी, आईयूसीडी, अंतरा इंजेक्शन, ओरल पिल्स, छाया साप्ताहिक गर्भनिरोधक गोली एवं निरोध उपयोगकर्ता हितग्राहियों को मोबेलाइज किये जाने के लिए निर्देशित किया है। पुरुष एवं महिला नसबंदी की सेवाएं निर्धारित दिवस प्रदायगी के तहत् समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर निर्धारित दिन प्रदाय की जा रही हैं। शासन द्वारा नसबंदी कराये जाने पर पुरुष नसबंदी हितग्राही को 3 हजार रुपए एवं प्रेरक को 400 रूपए, महिला नसबंदी कराने पर हितग्राही को 2 हजार एवं प्रेरक को 300 रूपए तथा प्रसवोत्तर महिला नसबंदी कराने पर हितग्राही को 3 हजार रुपए एवं प्रेरक को 400 रुपए की राशि बैंक खाते में प्रदान की जाती है।

उन्होंने बताया कि आईयूसीडी, पीपीआईयूसीडी की सुविधा प्रसव केन्द्रों पर उपलब्ध है। पीपीआईयूसीडी लगाये जाने पर हितग्राही को 300 रूपए तथा प्रेरक एवं सेवा प्रदाता को 150 रुपए की राशि बैंक खाते में प्रदान की जाती है। अंतरा गर्भनिरोधक इंजेक्शन का उपयोग स्तनपान कराने वाली महिला प्रसव के छः माह के उपरांत प्रारंभ कर सकती है। अंतरा इंजेक्शन लगवाने पर हितग्राही को 100 रुपए की राशि एवं प्रेरक को 100 रुपए की राशि कुल 5 डोज में से प्रति डोज प्रदान की जाती है। छाया साप्ताहिक गर्भनिरोधक गोली का उपयोग बच्चों को जन्म देने के उपरांत स्तनपान कराने वाली महिला कर सकती है। छाया समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर निशुल्क उपलब्ध है। निरोध (कंडोम) का उपयोग प्रसव के उपरांत कभी भी प्रारंभ किया जा सकता है, इसका स्तनपान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर निरोध निःशुल्क उपलब्ध है।

जिले में आयुष्मान आरोग्य शिविर आज

बैतूल। आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के 7 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले के समस्त क्रियाशील आयुष्मान आरोग्य मंदिरों शहरी एवं ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक एवं उप स्वास्थ्य केंद्र में 15 अप्रैल 2025 को आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश परिहार ने बताया कि शिविर में आने वाले हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण, निःशुल्क दवा वितरण एवं आवश्यकता अनुसार जांचों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। सीएमएचओ डॉ.परिहार ने बताया कि एनसीडी कार्यक्रम अंतर्गत चिन्हित हितग्राहियों को एक माह की निःशुल्क दवाएं प्रदान की जाएंगी। साथ ही 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के हितग्राहियों की स्क्रीनिंग कर उन्हें कार्यक्रम में पंजीकृत किया जाएगा। टीबी के लक्षणों की जांच की जाएगी और किसी भी एक लक्षण के पाए जाने पर उनका स्पुटम कलेक्शन (खखार संग्रहण) कराया जाएगा। शिविर में आने वाले हितग्राहियों की आभा आईडी निर्मित की जाएगी। शिविर में वैलनेस गतिविधियां आयोजित की जाएगी, जिनमें विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी जैसे व्यक्तिगत स्वच्छता, योग, उचित खान-पान, एनीमिया, मानसिक स्वास्थ्य, मौसमी बीमारियों से बचाव एवं देखभाल, ईट राइट आदि। चिन्हित क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग की जाएगी तथा सिकल सेल कार्ड का वितरण किया जाएगा। लू एवं अधिक तापमान से होने वाली बीमारियों से बचाव एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी दी जाएगी। सीएमएचओ डॉ. राजेश परिहार ने आम जन से इन शिविरों का लाभ उठाने की अपील की है।

मंडी में बढ़ी गेहूं की आवक, समर्थन मूल्य में अब तक 9938 मेट्रिक टन ही खरीदा गेहूं

कम दाम मिलने के बाद भी खुले बाजार में उपज बेच रहे किसान

बैतूल। कृषि उपज मंडी में इन दिनों गेहूं की आवक बढ़ गई है। रोजाना पांच हजार क्विंटल से अधिक गेहूं मंडी में पहुंच रहा है, लेकिन समर्थन मूल्य में गेहूं की खरीदी को अभी भी रफ्तार नहीं मिल पा रही है। हालात यह है कि 15 मार्च से समर्थन मूल्य में गेहूं खरीदी शुरू हुई है और करीब 27 दिन में 1496 किसानों ने 9938 मेट्रिक टन गेहूं की उपज बेची है। जबकि इसके विपरीत 1 अप्रैल से अब तक कृषि उपज मंडी में करीब 40 हजार क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। कृषि उपज मंडी में गेहूं के दाम 2300 से 2600 रूपये है, वहीं गेहूं के उपार्जन में 175 रुपए बोनस जोडकर समर्थन मूल्य पर गेहूं 2600 रुपए प्रति क्विंटल खरीदा जा रहा है, फिर भी किसान समर्थन मूल्य में गेहूं बेचने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे है। इसके पीछे बड़ा कारण यह माना जा रहा है कि समर्थन मूल्य में उपज बेचने वाले किसानों को समय पर भुगतान नहीं हो रहा है। भुगतान के चक्कर में किसानों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। किसानों का कहना है कि सरकार एक सप्ताह के भीतर भुगतान करने का दावा

करती, किन्तु यहां हालात कुछ और है। किसानों को एक पखवाड़े से लेकर अधिक समय बीत जाने के बावजूद भी राशि नहीं मिल पाती है। यही कारण है कि किसान समर्थन मूल्य में उपज बेचने से किनारा करने लगे हैं। किसानों का मानना है कि समर्थन मूल्य में उपज बेचने के बाद किसानों को कई प्रकार की समस्याओं से जूझना पड़ता है। किसान परेशानियों के कारण समर्थन मूल्य पर उपज नहीं भेज रहे हैं।

किसानों को खाद-बीज, कीटनाशक की जरूरत - किसान किसन, रामप्रसाद मालवीय ने बताया कि अभी किसान मूंग की बोवनी में जुट गए हैं। ऐसे में बोवनी करने वाले किसानों को मूंग बीज खरीदना पड़ रहा है। साथ में खाद की भी जरूरत है। मूंग के अंकुरित होते ही कीटनाशक का छिड?ाव करना पड़ता है। इसके लिए प्रति स्प्रे 3 हजार का खर्च आ रहा है। इस कारण किसान मंडी में उपज बेच रहे हैं। मंडी में भाव भी समर्थन मूल्य के आसपास है। किसानों को व्यापारियों के द्वारा जरूरत के हिसाब से नकद भुगतान किया जा रहा है।

मंडी और समर्थन मूल्य के दाम बराबर - इन दिनों कृषि उपज मंडी और समर्थन मूल्य के दाम बराबरी में चल रहे है इसीलिए किसान कृषि उपज मंडी में अधिक उपज बेच रहे है। इधर कई खरीदी केन्द्रों पर सन्नाटा पसरा है, जबकि कृषि उपज मंडी में गेहूं की बम्पर आवक हो रही है। मंडी में प्रतिदिन 6 से 7 हजार बोरे उपज बेचने के लिए लाई जा रही है। कृषि उपज मंडी में गेहूं के प्रचलित दाम करीब 2541 और उच्चतम भाव 2675 रूपए प्रति क्विंटल है। यहां किसानों को नगद भुगतान हो जाता है। जिसकी वजह से भी किसान उपज बेचने के लिए मंडी का रूख अधिक कर रहे है।

12,819 किसानों का पंजीयन, 1496 ने बेची उपज

समर्थन मूल्य में गेहूं उपज बेचने की रफ्तार धीमी गति से चल रही है। जिले भर में अब तक महज 1496 किसानों ने उपज बेची है, जबकि समर्थन मूल्य में उपज बेचने के लिए किसान 9 अप्रैल तक पंजीयन करा सकते थे, किन्तु 9 अप्रैल तक जिले के 12,819 किसानों ने ही अपना पंजीयन कराया। बता दे कि जिले में गेहूं की उपज खरीदी के लिए 64 खरीदी केन्द्र बनाएं गए है। जहां किसानों को उपज लाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, लेकिन किसान समर्थन मूल्य में उपज बेचने दिलचस्पी नहीं दिखा रहे है। जानकारों का कहना है कि खरीदी की यहीं रफ्तार रही तो खरीदी का लक्ष्य पूरा होना मुश्किल हो जाएंगा।

तीन दिन बाद आज खुलेगी कृषि उपज मंडी

आज 15 अप्रैल को तीन दिन बाद कृषि उपज मंडी खुलेगी। कृषि उपज मंडी से प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 अप्रैल को द्वितीय शनिवार बैंक बंद होने के कारण मंडी में नीलामी नहीं हुई, वहीं 13 अप्रैल रविवार होने के कारण मंडी बंद रही। इसके अलावा 14 अप्रैल सोमवार को अंबेडकर जयंती पर शासकीय अवकाश होने से मंडी बंद थी। तीन दिन मंडी बंद रहने के बाद आज मंडी खुलेगी। जिससे मंडी में बंपर आवक होने के संभावना है।

इनका कहना है -

गेहूं की उपज बेचने के लिए 12819 किसानों ने पंजीयन कराया है। अभी तक 1496 किसानों से 9938 मेट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई है। अभी किसान मूंग फसल की बुआई कर रहे है। जल्द ही खरीदी केन्द्रों पर किसानों उपज लेकर पहुंचने लगेगे।

- **कृष्ण कुमार टेकाम,** जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी, बैतूल

कृषि उपज मंडी में किसानों को कोई परेशानी न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

- **सूरज उइके,** प्रभारी मंडी सचिव, कृषि उपज मंडी बडोरा

जिला पंचायत सदस्य ने किया 18.82 लाख की सड़क का भूमिपूजन

खेत सड़क से बदलेगा गांव का नक्शा, उर्मिला गव्हाडे ने ग्रामीणों को दी सौगात

बैतूल। विकासखंड प्रभात पट्टन के अंतर्गत ग्राम पंचायत बोरगांव में 18 लाख 82 हजार रुपए की लागत से बनने वाली खेत सडक़ निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। यह सडक़ ग्राम के लखन बोरबन के खेत से शुरू होकर छोटेलाल के खेत तक बनेगी, जिससे ग्रामीणों और किसानों को बारिश के दिनों में खेतों तक पहुंचने में हो रही कठिनाई से राहत मिलेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाडे उपस्थित रहीं। उनके साथ जनपद पंचायत प्रभात पट्टन के उपाध्यक्ष देवीराम बनखेड़, ग्राम पंचायत बोरगांव की सरपंच सविता कापसे, ग्राम पंचायत हिवरखेड़ की उपसरपंच डॉ. मीना गव्हाडे, राजू कापसे, रमेश गव्हाडे, प्रेमचंद साहू, रजनी नागले, संतोष साहू, रामरतन लोहारे, पंडित बारपेटे, सचिव बसंत अडलक एवं रोजगार सहायक सचिव दिलचंद साहू मौजूद रहे। जिला पंचायत

सदस्य उर्मिला गव्हाडे ने बताया कि ग्रामीणों और किसानों द्वारा लंबे समय से खेत तक पहुंचने के लिए सडक़ की मांग की जा रही थी। बारिश के मौसम में कीचड़ और फिसलन के कारण खेतों तक जाना बेहद मुश्किल हो जाता था। सरपंच सविता कापसे और किसानों द्वारा बार-बार आग्रह किए जाने पर इस प्रस्ताव को जिला पंचायत की बैठक में रखा गया और स्वीकृति प्राप्त कर कार्य शुरू कराया गया है। उन्होंने बताया कि यह सडक़ खेतों तक पहुंच को आसान बनाएगी, किसानों की उपज लाने-ले जाने में भी सहूलियत देगी।।ग्रामवासियों ने इस पहल के लिए जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाडे और जनप्रतिनिधियों का आभार जताया और कहा कि यह कार्य गांव के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारणी में मनाया नेशनल फायर सर्विस डे

सारणी। 14 अप्रैल 1944 को मुंबई के विक्टोरिया डॉक (माल वाहक जहाज) में भीषण अग्नि दुर्घटना हुई थी। जिसमें दो भयानक विस्फोट हुए, उन विस्फोट के कारण पोर्ट पर खड़े जहाज में आग लग गई। जिसमे लगभग 1300 लोग घायल हुए एवं 66 अग्निशामक आग को बुझाने में शहीद हो गए। उन्ही अग्निशमन कर्मियों को श्रधांजलि देने के लिए सम्पूर्ण भारत में 14 अप्रैल को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारणी के अग्निशमन सेवा विभाग द्वारा राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि व्हीके कैथवार मुख्य अभियंता, युपीएस सिकरवार अधीक्षण अभियंता, पियूष गुप्ता मुख्य रसायनज्ञ, डीपी मिश्रा अधीक्षण 3

अभियंता, संजीव त्रिपाठी कार्यपालन अभियंता, एसके राघव सुरक्षा अधिकारी, पंकज उपाध्याय कार्यपालन अभियंता, जगदीश शेंडे अग्निशमन अधिकारी एवं समस्त अग्निशमन कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अभियंता द्वारा दीप प्रज्जवलित कर शहीद अग्निशामको पुष्पांजलि अर्पित की गई। उसके पश्चात् 2 मिनट का मौन धारण किया गया। मुख्य अभियंता द्वारा अपने उद्बोधन में अग्निशमन कर्मियों के साहस एवं समर्पित भाव से देश हित में कार्य करने हेतु सराहना की गई। साथ ही डीपी मिश्रा अधीक्षण अभियंता, संजीव त्रिपाठी कार्यपालन अभियंता एवं जगदीश शेंडे अग्निशमन अधिकारी द्वारा अग्निशमन सेवा के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम अंत में मुख्य अभियन्ता द्वारा अग्नि दुर्घटना से बचाव हेतु सुझाव दिए गए।

जुलूस के दौरान हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार, हथियार जप्त

बैतूल। जुलूस के दौरान हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हथियार भी जब्त कर लिया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 12 अप्रैल को फरियादी अजय विश्वकर्मा पिता शिवशंकर विश्वकर्मा निवासी सुभाष स्कूल के सामने, कोठी बाजार बैतूल, अपने दोस्तों अनुराग धोटे, कपिल झरबड़े एवं कपिल सोनटके के साथ

हनुमान जुलूस देखने बाबू चौक, गंज, बैतूल गए थे। जुलूस में नाचते समय अनुराग धोटे द्वारा आरोपी डंपर उर्फ हरिओम नानकर पिता फगन्या नानकर, निवासी मिशन स्कूल के पास, सदर बैतूल को धक्का लग गया। इस बात से नाराज होकर आरोपी ने अनुराग धोटे पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। बीच-बचाव करने आए अजय विश्वकर्मा एवं कपिल पर भी आरोपी ने हमला किया और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। घटना के संबंध में गंज थाना में धारा 296, 118(1), 351(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी की तलाश के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी डंपर उर्फ हरिओम सदर बैल बाजार में मौजूद है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को सदर बाजार से गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त चाकू जप्त किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस कार्यवाही में निरीक्षक अरविंद कुमरे, प्रधान आरक्षक सीताराम उइके, प्रधान आरक्षक संदीप इमना, प्रधान आरक्षक उमेश टेकाम, आरक्षक शिवशंकर देवड़ा एवं आरक्षक नवीन की सराहनीय भूमिका रही।

पेट्रोल पंप संचालक पर चाकू से हमला करने वाला तीसरा आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। पेट्रोल पंप मालिक व भतीजे पर चाकू से हमला करने वाले में से तीसरे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 11 अप्रैल को निशांत तिवारी द्वारा थाना गंज में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 10 अप्रैल को रात्रि लगभग 10.45 बजे वे अपने पेट्रोल पंप पर खड़े थे, तभी तीन युवक मोटरसाइकिल से वहाँ आए और सिगरेट पीने लगे। फरियादी द्वारा मना करने पर तीनों युवकों ने विवाद करना शुरू कर दिया। विवाद की आवाज सुनकर पेट्रोल पंप के कर्मचारी और अन्य ग्राहक भी वहाँ एकत्र हो गए, जिन्होंने युवकों को समझाने की कोशिश की। इसके बावजूद वे नहीं माने और फरियादी को अश्लील गालियाँ देने लगे। जब फरियादी का भतीजा पूर्वांश तिवारी उन्हें समझाने आया, तो उनमें से एक युवक ने अपनी कमर से चाकू निकालकर पूर्वांश पर हमला कर दिया, जिससे उसके बाएँ हाथ की भुजा पर गंभीर चोट आई। बीच-बचाव करने पर फरियादी को भी चाकू मारकर घायल कर दिया गया। आरोपियों ने धमकी दी कि अगली बार उलझे तो जान से खत्म कर देंगे और मौके से फरार हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध धारा 296,118(1), 351(2),3(5) बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना में धारा 118(2) बीएनएस इजाफा की गई। पूर्व में प्रकरण में दो बाल अपचारियों को गिरफ्तार क्या जा चुका है, आज घटना में शामिल तीसरा बाल अपचारी के उसके घर में आने की सूचना प्राप्त हुई, जिसे गिरफ्तार किया गया हैं। जिसे बाल न्यायालय प्रस्तुत किया जाएगा। इस कार्यवाही में निरीक्षक अरविंद कुमरे थाना प्रभारी गंज, उप निरीक्षक रणधीर राजपूत,आरक्षक अनिरुद्ध एवं नवीन की सराहनीय भूमिका रही।

गोलीकांड के तीनों आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आमला। तिरमहूं में हुए गोलीकांड के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 7 अप्रैल को दोपहर लगभग 4 बजे ग्राम देवगांव निवासी दुर्गेश पिता घनश्याम सरले उम्र 26 वर्ष को सफेद टियागो कार से आए तीन बदमाशों में से एक ने पीछे से पीठ में गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की रिपोर्ट आमला थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर धारा 109, 3(5) बीएनएस एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत आरोपी श्यामलाल घोघडे निवासी देवगांव एवं दो अन्य अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर

विवेचना में लिया गया। दिनदहाड़े हुई इस गोलीबारी की घटना को पुलिस ने एक सनसनीखेज अपराध मानते हुए गहनता से विवेचना प्रारंभ की। विवेचना के दौरान जानकारी मिली कि इस वारदात में श्यामलाल घोघडे उर्फ गोलू के साथ ग्राम बोपलवाड़ी निवासी दशरथ राठौर उर्फ श्याम तथा ग्राम सोनतलाई निवासी नितेन्द्र परमार उर्फ आर्यन भी शामिल थे। तकनीकी विश्लेषण और अन्य साक्ष्य के आधार पर उपनिरीक्षक अमित पवार, उपनिरीक्षक नितिन पटेल, प्रआर वसंत उईके, आर नागेंद्र सिंह एवं आर विवेक टेटवार की टीम उड़ीसा के पुरी समुद्रतट रवाना की गई। टीम ने तकनीकी और व्यावसायिक दक्षता का उपयोग करते हुए तीनों आरोपियों को अभिरक्षा में लिया और 13 अप्रैल को घटना में प्रयुक्त टियागो कार एवं देसी पिस्तौल जब्त करते हुए आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

जिलेभर में धूमधाम से मनाई अम्बेडकर जयंती

जगह-जगह हुए कार्यक्रम, मूर्ति पर हुआ माल्यार्पण

बैतूल। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर जिलेभर में आयोजन हुए। शहर के अम्बेडकर चौक पर स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा स्थल पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सामाजिक, राजनैतिक और गणमान्य नागरिकों ने बाबा साहेब को माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। बाबा साहेब की जयंती पर केंद्रीय मंत्री डीडी उइके, बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल, डॉ. योगेश पंडाग्रे, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, अतीत पंवार, सुनील शर्मा, गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, कोठीबाजार मंडल अध्यक्ष विक्रम वैद्य, योगी खण्डेलवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्तागणों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। वहीं बाबा साहेब की जयंती पर अम्बेडकर चौक पर स्थित उनकी मूर्ति पर कांग्रेसियों ने माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक निलय डागा, कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता हेमंत पगारिया, अरूण गोठी, डॉ. रमेश काकोडिया, जामवंत कुमरे, मनीष देशमुख, सफराज खान, राजू गायकी, सेंटी वाघमारे, बंटी वासनिक, अक्षय गोठी, विशाल गलफट, मोहित खातरकर, पंकज तुमराम, समीर खान, राजू गावंडे, राजा सोनी, मिथलेश राजपूत, मोनू बाघ, नफीस खान, अनिल मगरकर, मोनू बडोनिया सहित अन्य मौजूद थे।

डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक : श्री पांसे

मुलताई। संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब अंबेडकर ने अपने जीवन में संघर्ष कर शोषित पीड़ित लोगों के उत्थान के लिए जो प्रयास किये थे उसके लिए हम सब उनके ऋणी रहेंगे। डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक है, उक्त बात पूर्व मंत्री एवं म. प्र. कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे ने ग्राम सिरडी में आयोजित डॉ. बाबा साहेब की जयंती कार्यक्रम में व्यक्त किये। कार्यक्रम में श्री पांसे ने कहा कि बाबा साहेब ने दलित, पिछड़े और कमजोर वर्ग को उनका हक दिलाकर विकास की मुख्य धारा से जोडऩे में अपना पूरा जीवन समर्पित किया था। हम सब यह संकल्प ले कि डॉ. बाबा साहेब के विचारों को अपनाकर हर बच्चे को शिक्षित करेंगे उनके विचारों को जीवन में अपनाकर उनके सपनों को पूरा करना ही होगा। इसके साथ ही श्री पांसे द्वारा मुलताई नाका नंबर एक पर आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती कार्यक्रम में भी उपस्थित होकर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

अंबेडकर चौक पर बांटा छाछ और शरबत

बैतूल। भारतीय संविधान रचयिता एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती पर सोमवार को नगर पालिका बैतूल के सेवानिवृत्ति ऑडिटर समाजसेवी बंटी वासनिक ने अपने टीम के साथ अंबेडकर चौक पर छाछ और शरबत वितरित किया। जानकारी के मुताबिक पिछले 20 वर्षों से अंबेडकर चौक में बाबा साहेब की जयंती के अवसर पर नगर पालिका के ऑडिटर रहे बंटी वासनिक अपने टीम के साथ शरबत छाछ और कभी पुलाव का वितरण करते आ रहे हैं। इस वर्ष भी अपनी परंपरा को निर्वहन करते हुए अंबेडकर अनुयायियों एवं आने वाले

सभी लोगों को छाछ और शरबत पिलाने का काम किए है। बाबा साहेब की जयंती पर सबसे पहले श्री वासनिक अपने साथियों के साथ अंबेडकर प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उनके बताएं मार्ग पर चलने के लिए सभी को शपथ दिलाई। इसके बाद अपने पंडाल में पहुंचकर अपने साथियों के साथ छाछ और शरबत वितरण करना शुरू किया जो पूरे दिन चलता रहा। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उईके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला सारणी के विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, पूर्व सांसद ज्योति धुर्वे, पूर्व विधायक निलय डागा, नपा अध्यक्ष पार्वती बारस्कर सहित नापा बैतूल के सभी महिला पार्षदगण, मोनू बडोनिया, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, कांग्रेस कमेटी के सदस्य गण अरुण गोठी, समीर खान, हेमंत पगारिया, राजेश गावंडे आदि नेताओं ने भी पहले बाबा साहेब की मूर्ति पर फूलमाला अर्पित किए। श्री वासनिक के कैंप में पहुंचने वालों में मुख्य रूप से बैतूल एसपी निश्चल झारिया, सिनेमा ब्यवसाई एवं फिल्म प्रोड्यूसर अक्षय गोठी, पत्रकार राधेश्याम सिन्हा, पत्रकार संजय द्विवेदी, पत्रकार एवं एडवोकेट संजय शुक्ला, सुनील पलेरिया, सुखराम पंडाग्रे, सुनील शर्मा, कृष्णा पांसे, डॉक्टर पीआर सोनारे, मूलचंद नागले, डॉ. रमेश काकोडिया, सिंधु जावलकर, मंदा बडौदे आदि शामिल थे।

एर्नाकुलम से हजरत निजामुद्दीन के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

भोपाल मंडल के इटारसी, भोपाल, बीना स्टेशन पर रुकेगी वन वे सुपरफास्ट

भोपाल (नप्र)। गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गाड़ी संख्या 06061 एर्नाकुलम–हजरत निजामुद्दीन वन वे सुपरफास्ट विशेष ट्रेन का एक फेरा चलाया जा रहा है। यह विशेष ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी, भोपाल और बीना स्टेशनों पर ठहराव करती हुई अपने गंतव्य तक पहुंचेगी।

ट्रेन का शेड्यूल

प्रस्थान : 16 अप्रैल 2025 (बुधवार) को एर्नाकुलम स्टेशन से शाम 18 :05 बजे

इटारसी : 18 अप्रैल को प्रात : 05 :10 बजे

भोपाल : 18 अप्रैल को प्रात : 06 :50 बजे

बीना : 18 अप्रैल को सुबह 08 :50 बजे

गंतव्य : 18 अप्रैल 2025 (शुक्रवार) को रात 20 :35 बजे हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर पहुंचेगी।

प्रमुख ठहराव

एर्नाकुलम, ऑल्विन, त्रिचूर, पलक्कड़, पोदनूर, तिरुपुर, ईरोड, सेलम, जोलारपेटै, कटपडी, रेनीगुटा, गुडुर, औंगोल, विजयवाड़ा, वारंगल, बल्लारशाह, नागपुर, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, आगरा छावनी, मथुरा, हजरत निजामुद्दीन।

रीवा से प्रयागराज जा रहे भाजपा नेताओं पर हमला

बाइक सवारों ने कार पर फेंका बम, यूपी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की

रीवा (नप्र)। रीवा जिले के चाकघाट से प्रयागराज शादी समारोह में जा रहे भाजपा नेताओं की कार पर उत्तर प्रदेश सीमा में बम से हमला हुआ। यह घटना रविवार रात करीब 9 बजे नारीबारी बैजनाथ लकड़ी टाल के पास हुई। कार में सवार भाजपा नेता वेद द्विवेदी (युवा मोर्चा महामंत्री), शुभम केशरवानी (पूर्व पार्षद), रवि केशरवानी और राजमन केशरवानी सभी चाकघाट निवासी हैं। जानकारी के अनुसार, कार ड्राइवर पिन्टू केशरवानी को रास्ते से पिक करने के लिए गाड़ी जैसे ही रुकी, पीछे से आए बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने उन पर देसी बम से हमला कर दिया। हमले में वेद द्विवेदी और शुभम केशरवानी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज प्रयागराज में चल रहा है। हमले के बाद कार सवार लोग किसी तरह बाहर निकलकर जान बचाकर भागे।

यूपी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की–इस सनसनीखेज हमले की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है, जिसमें बाइक सवार हमलावरों को बम फेंकते हुए साफ देखा जा सकता है। घटना के बाद से एमपी–यूपी बॉर्डर पर तनाव का माहौल है। यूपी पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और हमलावरों की तलाश जारी है। एमपी और यूपी पुलिस की संयुक्त टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। उधर, आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और न्याय की मांग को लेकर घायल भाजपा नेताओं के परिजन एमपी के चाकघाट थाने पहुंचे और सुरक्षा की गुहार लगाई।

भोपाल के एसिड अटैक केस का खुलासा

पटाखे से झुलसा था युवक, पड़ोसी को फंसाने लिखाई झूठी रिपोर्ट

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हथाईखेड़ा में कथित एसिड अटैक केस में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। फरियादी सूरज शर्मा ने अपने पड़ोसी मदन विश्वकर्मा को फंसाने के लिए खुद पर हमले की झूठी कहानी रची थी। जांच में पता चला कि सूरज का चेहरा पटाखे की आग से झुलसा था, लेकिन उसने बदले की भावना से एसिड अटैक की झूठी एफआईआर दर्ज करवाई। सीसीटीवी फुटेज, लोकेशन डेटा और बयान में विरोधाभास के चलते पुलिस को शक हुआ। जिसके बाद सच्चाई सामने आई। अब झूठी कहानी रचने वाले के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी।

बड़ी नदियों को बचाने सहायक नदियों को जिन्दा रखना होगा: मंत्री पटेल

नदियों के संगम को रौंदने की गलती मत करना, नदी को नहर मत बनने दो

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा है कि जहां उद्गम होता है, वहां ऊर्जा होती है और जहां नदियों का संगम होता है, वहां जीवन होता है। उसे रौंदने की गलती कभी मत करना। बड़ी नदियों को बचाना है, तो उसकी सहायक नदियों को जिन्दा रखना होगा। बेतवा के लिए सहायक नदियों को बचाना सबके लिए चुनौती का काम है।

मंत्री पटेल ने ये बातें सोमवार को विदिशा जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यक्रमों के दौरान कहीं। उन्होंने अलग–अलग गांवों में श्रमदान के दौरान लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया। मंत्री पटेल ने इस दौरान कहा कि बड़ी नदी को बचाना है, तो छोटी नदियों का समृद्ध होना जरूरी है। उन्हें नाला या छोटी नदी न मानिए, क्योंकि वे बड़ी नदी के जीवन के लिए जरूरी हैं और उनकी धमनियां हैं। जैसे; बेतवा बड़ी नदी है,तो छोटी नदियां उसकी धमनियां हैं। उन्होंने कहा कि किसी नदी के उद्गम को समृद्ध करने के लिए जो चीज होनी चाहिए, वह प्राकृतिक रूप से यहां पर है। नदी व नहर का जो अंतर है, वह यह है कि नदी अपने आप में समृद्ध होती है। नदी को नहर मत बनने दो।

मंत्री पटेल ने अभियान के अंतर्गत आज जनपद पंचायत गंजबासौदा के चक्क हिरनौदा में ये बातें कहीं। उन्होंने विदिशा की पाराशरी नदी उद्गम स्थल पर पूजन किया। पटेल ने कहा कि पिछले दो वर्षों से पाराशरी नदी के संवर्धन का जो काम चल रहा है, उसमें चींटी के समान मुझे भी योगदान का सौभाग्य मिला। सारे लोग श्रम में शामिल नहीं होते, यह समाज का दोष है। पटेल ने पाराशरी नदी के घाट का भूमि पूजन, श्रमदान कर सफाई कर्मियों को सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री पटेल ने गंजबासौदा में पंच–सरपंच सम्मेलन को भी संबोधित किया।

100 वर्षीय संघ रुपी यज्ञ में आहुति के लिए पूरा समाज आगे आए

प्रत्येक वर्ष की तरह शहर का किला मैदान अनुशासन और एकता का साक्षी बना

धार। प्रत्येक वर्ष की तरह शहर का किला मैदान अनुशासन और एकता का एक बार फिर से साक्षी बना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर प्रकटोत्सव का करीब एक माह से लगातार अलग-अलग 14 व्यावसायिक , 10 बाल तथा महाविद्यालयीन विद्यार्थी शाखाओं में तैयारी कर रहे सैकड़ों स्वयंसेवकों ने रविवार शाम होते ही संघ की शाखाओं में होने वाले शारीरिक कलाकृतियों का प्रदर्शन किया । कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि आगमन पर स्वागत प्रणाम घोष की मधुर ध्वनि के साथ किया गया । कार्यक्रम की श श्रृंखला में सर्वप्रथम ध्वजारोपण हुआ।

उसके पश्चात प्रत्युत प्रचलनम, ध्वज प्रदीक्षणा, गण समता, विशेष दंड प्रयोग, नियुद्ध,दंड युद्ध, सामूहिक समता, मनोरा (पिरामिड) एवं घोष वादन से संपन्न हुआ। सामूहिक योग का प्रदर्शन सभी स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। तत्पश्चात शिक्षक की आज्ञा पर कदम से कदम मिलाकर विभिन्न आकृतियों का प्रदर्शन किया गया। एक शिक्षक की आज्ञा पर कदमताल करते हुए एक साथ आना आकर्षण का केंद्र रहा। पांचवे गण द्वारा नियुद्ध का प्रदर्शन किया गया। नियुद्ध देसीकला है। इसमें एक निहत्था व्यक्ति भी आक्रमणकारी को आसानी से धराशायी कर सकता है। समाज की सुरक्षा के लिए शाखा में स्वयंसेवकों को इसका अभ्यास कराया जाता है। इस कला से स्वयंसेवक समाज की रक्षा कर सकता है। वही दंड का प्रदर्शन स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। सामान्य दंड द्वारा स्वयंसेवकों ने चारों दिशा में प्रहार लगाते हुए किस प्रकार भीड़ का सामना करना एवं कैसे अपनी व समाज की सुरक्षा की जाती है उसका प्रदर्शन किया और अंत में दंडधारी स्वयंसेवकों ने भूमि वंदन कर अपना प्रदर्शन समाप्त किया।

दंडयुद्ध प्रदर्शन को सभी ने सराहा...

इस वर्ष दंडयुद्ध के महत्वपूर्ण विषय का भी प्रदर्शन किया गया । इस विषय के अंतर्गत दंड के माध्यम से अकेला व्यक्ति भीड़ के सामने स्वयं की रक्षा करते हुए शत्रु पर कैसे प्रहार करेगा , इसका बहुत ही अद्भुत तरीके से प्रदर्शन किया गया । उक्त प्रदर्शन को देख कर मैदान तालियों की गडगडाहट से गूँज उठा ।

मंचासीन आरएसएस के जिला संघचालक बाबूलाल हामड़, विभाग कार्यवाह अरविन्द चौधरी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता धार के प्रसिद्ध ज्योतिषी तन्मय जोशी ने की। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त सह प्रचार प्रमुख पवन तिवारी रहे। मुख्य वक्ता ने कहा की संघ एक आदर्श व्यक्ति निर्माण करने वाली संस्था है। किसी को संघ को समझना है तो संघ में आना पड़ेगा। प्रकटोत्सव कार्यक्रम के माध्यम से समाज संघ को थोड़ा सा समझने का प्रयास कर सकता है। मुख्य वक्ता ने कहा कि 1925 में डॉक्टर केशव हेडगेवार जी ने जो संघ रूपी बीज बोया था आज वह संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है । एक समय ऐसा था जब व्यक्ति खुद को हिन्दू बताने में कही बार विचार करता था , ऐसे विपरीत समय में स्वयंसेवकों के अथक प्रयास से आज इस स्वर्णिम काल को हम देख पा रहे है। आज हम देखते है कि जब बांग्लादेश के हिन्दू के साथ हो रहे अत्याचार के विरोध में पूरे देश का आक्रोशित हिन्दू समाज एक साथ दिखाई देता है , ये सामान्य बात नहीं है ।

संघ की स्थापना को आज 100 वर्ष होने जा रहे हैं। स्वयंसेवकों के अथक प्रयासों से आज समाज में परिवर्तन दिखाई दे रहा है। भारतीय संस्कृति की परंपराओं को जीवन मूल्यों को हमको अपने जीवन में लाने की आवश्यकता है । हम सबको अपने जीवन में कुछ बातों का विचार करना पड़ेगा । हमारे परिवार में जो विखंडन की स्थिति है या कही बार ध्यान में आता है की परिवार का व्यक्ति अपराधी प्रवृत्ति का बन जाता है , उसके पीछे का कारण ध्यान आता है की कही न कही परिवार में संवाद की कमी । इन सब बातो को ठीक करने के लिए सप्ताह में एक दिन हमारे परिवार के सब परिवार जनों को 1 घंटे के लिए या महीने में 1 दिन आपस में बैठकर भोजन ,भजन और संकीर्तन करने की आवश्यकता है । जिस से निश्चित परिवार में आ रही दूरियां खत्म होगी । साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारियां तय करना होगी । संघ के प्रयास से महाकुम्भ में 14 लाख थालिया एवं 13 लाख थेले महाकुम्भ में हिन्दू समाज के माध्यम से वितरित किये गए , इस प्रयास से 85 प्रतिशत कचरा कम हुआ । साथ ही सामाजिक समरसता का पुरे विश्व को हमने भारत में हुए जी 20 सम्मलेन में वसुधेव कुटुम्बकम का मंत्र बताकर उत्कृष्ट उदहारण प्रस्तुत किया । स्व का जागरण का भाव प्रत्येक नागरिक में मन में हो अर्थात हमारी मातृभाषा राष्ट्र भाषा पर गर्व हो, इंडिया नहीं प्रत्येक के मन में मेरा देश भारत । हमारे देश के ज्ञान पर गर्व होना चाहिए । पंच परिवर्तन में से प्रमुख बात नागरिक कर्तव्य का ध्यान । हमारे अधिकारों के साथ देश के लिए हमारी जिम्मेदारी के प्रति भी विचार करने की आवश्यकता है ।

नगर प्रकटोत्सव में नियुद्ध कला से लेकर दंड प्रहार आदि का प्रदर्शन किया। समाज जब इस तरह के आयोजन देखता है तो निश्चित रूप से वह गौरवान्वित होता है। इस आयोजन में शहर के प्रमुख लोग शामिल हुए। सबसे अहम बात यह थी कि स्वयंसेवकों ने जिन 14 शाखाओं में प्रशिक्षण में पसीना बहाया था, उसी तैयारी से किला मैदान के प्रकटोत्सव में साकार करके दिखाया।

घोष दल द्वारा घोष के शिक्षक के संकेत पर अलग

अलग धुनों का वादन किया।इस वर्ष विभिन्न प्रकार के वाद्य यंत्र बजाते हुए अलग-अलग आकृतियों का निर्माण किया। जानकारी देते हुए नगर कार्यवाह गोपाल डोड ने बताया कि इस वादन ने आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रदर्शन के पश्चात सामूहिक प्रदर्शन प्रारंभ हुआ। इसमें सैकड़ों स्वयंसेवकों द्वारा सामूहिक व्यायाम योग एवं आसन का प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन श्लोकों के साथ किया गया। अंतिम प्रदर्शन सामूहिक गीत का हुआ।

युवती ने लिव-इन-पार्टनर पर रेप केस दर्ज कराया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बागसेवनिया इलाके में रहने वाली युवती ने लिव–इन–पार्टनर पर रेप का केस दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि दोनों 2022 से लगातार साथ रह रहे हैं। आरोपी ने शादी का झांसा देकर कई बार उसके साथ संबंध बनाए हैं। अब आरोपी शादी करने की बात से मुकर गया है। पिछले दिनों आरोपी ने उससे हर तरह के संपर्क खत्म कर दिए। कई बार बात करने का प्रयास किया लेकिन आरोपी ने बात नहीं की। तब थाने पहुंची युवती ने एफआईआर दर्ज कराई है। टीआई अमित सोनी के मुताबिक बागसेवनिया में रहने वाली 25 वर्षीय युवती होशंगाबाद रोड पर एक मॉल में काम करती है। जबकि आरोपी लोकेश सिंह ठाकुर प्राइवेट काम करता है। दोनों बैतूल जिले के एक ही गांव के रहने वाले हैं। वर्ष 2022 से दोनों एक साथ रह रहे थे।

फिर दोनों के बीच बातचीत होने लगी और मामला प्रेम प्रसंग तक पहुंच गया। इसके बाद दोनों लिव इन रिलेशनशिप में साथ रहने लगे। करीब तीन साल तक लिव इन में रहने के बाद आरोपी युवक ने दो दिन पहले उसके साथ शादी करने से इनकार कर दिया। हर तरह का संपर्क रखने से भी इनकार कर दिया।

भागने की फिराक में घूम रहे आरोपी को गिरफ्तार किया

इससे नाराज होकर पीड़िता थाने पहुंची और आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कराया। साथ ही पुलिस ने घेराबंदी कर बैतूल भागने की फिराक में घूम रहे आरोपी युवक को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी युवक को आज कोर्ट में पेश कर जेल भेज देगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भारत और नेपाल की कॉल गर्ल्स पुलिस की रेड में पकड़ी

पश्चिम बंगाल–चंडीगढ़, यूपी की लड़कियां दिल्ली से पहुंची ग्वालियर

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर के सिटी सेंटर स्थित होटल स्मार्ट हवेली इन गेस्ट हाउस में भारत और नेपाल की कॉल गर्ल्स पुलिस की रेड में पकड़ी गई। देह व्यापार का पूरा अड्डा नेपाल की लड़की चला रही थी, जबकि कॉल गर्ल्स को लाने का काम होटल का मैनेजर दीपक वर्मा करता था।

दीपक अभी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है, लेकिन होटल से पकड़ी गई कॉल गर्ल्स ने हवालात में महिला पुलिस अधिकारियों को बताया कि उन्हें पता था कि वे ग्वालियर सेक्स रैकेट के लिए लाई जा रही हैं।वे अपने-अपने शहर और प्रदेशों से पहले दिल्ली लाई गईं और वहां से ग्वालियर भेजा गया। अब इन कॉल गर्ल्स को होटल मैनेजर ने किस एजेंट के माध्यम से बुलाया, यह जानकारी उसके पकड़े जाने के बाद ही मिल पाएगी।हर कॉल गर्ल को एक ग्राहक के बदले 700 रुपए दिए जाते थे। जो भी राशि 700 रुपए से अधिक होती, वह होटल वालों के हिस्से में जाती थी।

जितनी उम्र कम, उतना रेट हाई–जब एक पुलिसकर्मी कस्टमर बनकर होटल पहुंचा, तो रिसेप्शन पर बैठी नेपाली लड़की अनीता सुनार ने उसे एक एलबम दिखाया, जिसमें लड़कियों की तस्वीरें थीं। उसने पूछा कि किस उम्र की लड़की चाहिए।जब ग्राहक ने रेट पूछा तो बताया गया कि यहां 19 से 24 साल तक की लड़कियां उपलब्ध हैं। उम्र जितनी कम, रेट उतना ज्यादा। होटल वाले एक केस के लिए 1000 से 3000 रुपए तक लेते थे, लेकिन कॉल गर्ल्स को केवल 700 रुपए ही मिलते थे।

भाजपा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संकल्प को पूरा करने का काम कर रही: निलेश भारती जिलाध्यक्ष

भाजपा ने जिला मुख्यालय सहित 18 मंडलों में डॉ. अंबेडकर की जयंती मनाई

धार । संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती भाजपा द्वारा देश भर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही है । भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने बाबा साहब की जयंती के अवसर पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा त्रिमूर्ति चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित कर कार्यक्रम को संबोधित किया एवं मिठाई बाटी गई । इस दौरान अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा, मंडल अध्यक्ष विशाल निगम, जयराज देवड़ा, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, मनीष प्रधान, , दीपकसिंह रघुवंशी, हुकुम लश्करी, कालीचरण सोनवानिया, देवेंद्र रावल, सोनिया राठौड़ सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं मोर्चे के कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने सोमवार को त्रिमूर्ति चौराहे पर भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भारती ने कहा कि आज बाबा साहब की जयंती पर उन्हें कोटि–कोटि नमन करता हु । यह उन्हीं की प्रेरणा है कि देश आज सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने में समर्पित भाव से जुटा हुआ है । उनके सिद्धांत एवं आदर्श आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को मजबूती और गति देने वाले हैं । भारतीय जनता पार्टी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संकल्प को पूरा करने का काम किया है । भाजपा ने बाबा साहब की जन्मस्थली को तीर्थ के रूप में विकसित किया है । भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी दीपकसिंह रघुवंशी ने बताया कि संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर बाबा साहब की प्रतिमा स्टाल पर साफ सफाई कर प्रतिमा का दुग्धाभिषेक किया गया ।

भाजपा द्वारा जिले के सभी 18 मंडलों सहित जिला मुख्यालय पर भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जिला मुख्यालय पर भाजपा जिला अध्यक्ष निलेश भारती सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा जनों ने डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा व सह मीडिया प्रभारी दीपक सिंह रघुवंशी ने दी।

गर्मी में मटकों की मांग बढ़ी, 100 से 300 रुपए में मिल रहे

बाजार में, गुजराती मटके भी उपलब्ध

उज्जैन (नप्र)। अप्रैल के पहले सप्ताह से ही तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच गया है। इस भीषण गर्मी में लोग प्राकृतिक रूप से पानी को ठंडा रखने के लिए मटकों का सहारा ले रहे हैं। देवास रोड और बियावानी चौराहे पर मिट्टी के मटकों की खरीदी बढ़ गई है। काली मिट्टी और बालूरेती से बने मटकों के अलावा इस बार गुजराती मटके भी बाजार में आए हैं।

दुकानदार टीना प्रजापति के अनुसार, काले मटके काली मिट्टी और लाल मटके बालू रेती से बनाए जाते हैं। दोनों प्रकार के मटकों में पानी समान रूप से ठंडा रहता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि फ्रिज के पानी की तुलना में मटके का पानी स्वास्थ्य के लिए बेहतर है। प्रतीश यादव बताते हैं कि मटके का पानी पीने से कोई नुकसान नहीं होता। डॉक्टर भी मटके के पानी की सलाह दे रहे हैं। यह चेहरे पर निखार लाता है और एसिडिटी की समस्या भी नहीं होती। साथ ही यह हृदय के लिए भी लाभदायक है।

बाजार में मिट्टी और बालूरेती के छोटे मटके 100 रुपए से शुरू होते हैं, जबकि बड़े मटके 300 रुपए तक के हैं। गुजराती कैन और बोतल की कीमत 250 रुपए से शुरू होती है। आज भी कई घरों में फ्रिज होने के बावजूद लोग गर्मी के मौसम में मटके का पानी पीना पसंद करते हैं।

राहत आयुक्त की आठ विभागाध्यक्षों को चिट्ठी

आपदा राहत के नाम पर कितनी राशि खर्च की, कितनी सरेंडर की, पूरा ब्यौरा मांगा

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में ओलावृष्टि, बाढ़, अकाल और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति से निपटने के लिए आठ विभागों की खर्च की गई राशि का ब्योरा राहत आयुक्त ने मांगा है। उन्होंने यह जानकारी अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों और विभागाध्यक्षों से तलब की है।

साथ ही यह भी पूछा गया है कि उन्हें आवंटित की गई राशि में से कितनी राशि खर्च नहीं हो सकी और सरेंडर की गई है। राहत आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि हर योजना में खर्च की गई राशि का अलग-अलग विवरण दिया जाए। अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव , नर्मदा घाटी विकास, गृह विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, लोक निर्माण विभाग, लोक सेवा प्रबंधन विभाग और सचिव, गृह एवं समन्वयक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को इस संबंध में पत्र लिखा गया है। यह पत्र राहत आयुक्त कार्यालय के संयुक्त संचालक द्वारा जारी किया गया है।

खर्च-सरेंडर की राशि की जानकारी देना होगा–पत्र में कहा गया है कि 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की अवधि में संबंधित विभागों को राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा कितनी राशि ट्रांसफर की गई, इस राशि में से कितनी राशि का उपयोग कार्यों में किया गया और कितनी राशि सरेंडर की गई, इसकी जानकारी दी जाए।

साथ ही प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट) प्रस्तुत करने को कहा गया है।बताया जा रहा है कि यह राशि राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा मिटिगेशन फंड, आपदा से बचाव की तैयारी और कैपेसिटी बिल्डिंग जैसे कार्यों के लिए उपयोग की जा सकती है।

इन अधिकारियों से मांगी गई जानकारी–राहत आयुक्त और प्रमुख सचिव, राजस्व कार्यालय द्वारा यह जानकारी जिन अधिकारियों से सीधे मांगी गई है, उनमें शामिल हैं-

महानिदेशक, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा (आपदा प्रबंधन)

आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग

आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं

कार्यपालन निदेशक, राज्य लोक सेवा अभिकरण

प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा

प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग

प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग

संचालक, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण

मंदिरम्

83

रामेश्वर भगवान महादेव मंदिर, महाराष्ट्र

गोदावरी के किनारे गंगापुर तालुका, महाराष्ट्र में श्रीराम द्वारा स्थापित भगवान शिव का रामेश्वर मंदिर है। लोकमान्यता के अनुसार श्रीराम के बाण से मृत मारीच का धड़ (काया) यहाँ गिरा था। यह रामेश्वर मंदिर वही है जहाँ पर प्रभु रामचंद्र ने वनवास के समय मारिच नाम के हिरण रुपी राक्षस को मार गिराया था। यहाँ पर ही यह भगवान शिव का मंदिर बनाया गया। गाँव का नाम भी कायगाव है। काया यानी शरीर जहाँ पर राक्षस का काया यानी शरीर गिरा वहाँ पर यह मंदिर स्थापित किया गया है। यहाँ मंदिर में प्रभु रामचंद्र के चरण पादुका भी है।

डॉ. अंबेडकर की 134वीं जयंती धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई

बोर्ड ऑफिस चौराहे पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अलावा जन प्रतिनिधियों का रैला

भोपाल (नप्र)। देश के संविधान निर्माता, महान समाज सुधारक और बहुजन समाज के प्रेरणास्त्रोत डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती आज राजधानी भोपाल में बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। शहर के बोर्ड ऑफिस क्षेत्र में आयोजित भव्य कार्यक्रमों में डॉ अंबेडकर की पुस्तकों की प्रदर्शनी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विचार गोष्ठियां चल रहीं हैं।

कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही बड़ी संख्या में आम नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे। बसपा, भाजपा और कांग्रेस समेत कई संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भी बाबा साहब को नमन किया और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर बोर्ड आफिस चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस दौरान प्रदेश शासन के मंत्री चेतन कश्यप,मंत्री विश्वास सारंग,राज्य मंत्री कृष्णा गौर, सांसद आलोक शर्मा, पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, हरिशंकर खटीक, महापौर मालती राय, जिला अध्यक्ष

रविन्द्र यति, जिला प्रभारी महेन्द्र यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

विशेष अंक का विमोचन-एक विशेष पहल के तहत डॉ. भीमराव अंबेडकर की पत्रकारिता विरासत पर आधारित एक विशेष अंक का विमोचन भी किया गया। स्टॉल संचालक डॉ. अनिल और उनकी टीम ने बताया कि बाबा साहब न केवल एक संविधान निर्माता थे, बल्कि वे एक सशक्त पत्रकार और लेखक भी थे। इस विशेष अंक का उद्देश्य युवाओं को अंबेडकर जी के लेखन और विचारों से परिचित कराना है। कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बाबा साहब के विचारों को जीवंत किया। समूचा आयोजन सामाजिक समरसता, समानता और न्याय के संदेश के साथ संपन्न हुआ। डिक्की अध्यक्ष एवं पत्रिका के संपादक डॉ. अनिल सिरवैया ने बताया कि यह प्रकाशन बाबा साहब की पत्रकारिता परंपरा को आगे बढ़ाने की दिशा में एक प्रयास है। उन्होंने बताया कि डॉ. अंबेडकर ने मूलनायक, बहिष्कृत भारत, जनता और प्रबुद्ध भारत जैसे पत्रों के माध्यम से समाज में सामाजिक जागरूकता फैलाई थी।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और अंबेडकर जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, संविधान को कमजोर करने वाली कांग्रेस आज सिर्फ दिखावा कर रही है। जबकि भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंबेडकर जी के पंचतीर्थों का निर्माण कर सच्ची श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि- जवाहरलाल नेहरू ने बाबा साहब को लगातार परेशान किया और उन्हें लोकसभा तक नहीं पहुंचने देने की कोशिश की।

महू-नीमच हाईवे पर चलते ट्रक में लगी आग, सोयाबीन खाक

मंदसौर (नप्र)। मध्य प्रदेश के मंदसौर में सोमवार की दोपहर को महू-नीमच फोरलेन हाईवे पर एक बड़ा हादसा हुआ। दलौदा के पास चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। ट्रक से धुआं निकलता देख चालक ने वाहन को तुरंत सड़क किनारे रोक दिया। वह पानी की व्यवस्था करने गया, लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया। आसपास के लोगों ने दलौदा पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। नगरी और मंदसौर से पहुंची फायर ब्रिगेड की टीमों ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया। डेढ़ घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। तब तक सोयाबीन से भरा पूरा ट्रक जलकर राख हो चुका था।

शॉर्ट सर्किट के कारण दुर्घटना की आशंका-प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है। भीषण गर्मी और तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैली। घटना के दौरान हाईवे की एक लेन को यातायात के लिए बंद करना पड़ा। दलौदा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

सीएम ने महान खगोल शास्त्री व गणितज्ञ आर्यभट्ट को किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महान खगोल शास्त्री व गणितज्ञ आर्यभट्ट की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शून्य की खोज से लेकर खगोलगणना तक, आर्यभट्ट का ज्ञान, भारत की बौद्धिक विरासत और भारतीयों के लिए गौरव का विषय है। इससे प्रेरणा लेकर वर्तमान पीढ़ी विज्ञान, गणित और नवाचार के नए आयाम गढ़ती रहेगी।

नीमच में लाठी-डंडे से 3 जैन मुनियों पर हमला

हनुमान मंदिर में रुके थे, घटना के विरोध में शहर बंद, राजस्थान के 6 आरोपी गिरफ्तार

जावद (नप्र)। नीमच जिले के सिंगोली थाना क्षेत्र में तीन जैन मुनियों पर छह बदमाशों ने हमला कर दिया। जैन मुनि विश्राम करने रविवार रात सिंगोली मार्ग स्थित हनुमान मंदिर में रुके थे।

रात करीब 12 बजे आरोपियों ने लूट के इरादे से लाठी और धारदार हथियार से हमला किया। घटना के बाद दो बदमाशों को तो लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया। हमले में घायल मुनियों ने अस्पताल जाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद सभी को जैन स्थानक भवन में रखा गया है। घटना के बाद जैन समाज की ओर से नगर बंद का आह्वान किया गया है। वहीं, पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के रहने वाले हैं।

ये 6 आरोपी गिरफ्तार

गणपत पिता राजू नायक निवासी, चित्तौड़गढ़
गोपाल पिता भगवान निवासी, चित्तौड़गढ़
कन्हैयालाल पिता बंशीलाल निवासी, चित्तौड़गढ़
राजू पिता भगवान भाई निवासी, चित्तौड़गढ़
बाबू शर्मा पिता मोहन शर्मा निवासी, चित्तौड़गढ़ नाबालिग

बदमाशों ने मंदिर के सामने बैठकर शराब पी-सिंगोली थाना टीआई भूरा लाल भाभर ने बताया कि जैन संत शैलेष मुनि जी, बलभद्र मुनि जी और मुनींद्र मुनि जी विहार पर हैं। वे सिंगोली से नीमच जा रहे थे। रविवार-सोमवार की रात वे कछाला गांव के पास हनुमान मंदिर में विश्राम के लिए रुके थे। इसी दौरान तीन बाइक से कुछ बदमाश वहां पहुंचे। पहले उन्होंने मंदिर के सामने

बैठकर शराब पी। उन्हें जैन मुनि मंदिर में दिखे तो पास जाकर उनसे रुपए रुपए मांगने लगे। जब मुनियों ने मना किया, तो मारपीट शुरू कर दी।

जैन मुनि ने बाइक सवार से मांगी मदद- जान बचाने के लिए एक जैन मुनि सड़क की ओर भागे। उन्होंने रास्ते से गुजर रहे बाइक सवार से मदद मांगी। उससे समाज के लोगों को फोन करने के लिए कहा। बाइक सवार ने जैन समाज के कुछ लोगों को फोन किया। सूचना पर कछाला गांव के लोग भी आ गए। लोगों को आता देख चार बदमाश भाग निकले, जबकि दो को लोगों ने पकड़ लिया। थोड़ी देर में पुलिस भी पहुंच गई।

अस्पताल में जैन मुनियों ने नहीं ली दवा- घायल जैन मुनियों को सिंगोली अस्पताल ले जाया गया। जैन परंपरा के अनुसार रात में इलाज नहीं किया जाता, इसलिए घायल मुनियों ने रात में दवा नहीं ली।

इलाज नहीं करवाने पर भी वे अड़े रहे। सोमवार सुबह जैन स्थानक भवन में इलाज शुरू किया गया। सूचना पर रात में ही एसपी अंकित जायसवाल भी मौके पर पहुंच गए। एफआईआर दर्ज कर ली गई है। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है।कलेक्टर हिमांशु चंद्र और एसडीओपी जावद निकिता सिंह ने भी घायल जैन मुनियों का हालचाल जाना। क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सकलेचा भी मौके पहुंचे।

बांधवगढ़ में 4 घंटे में पकड़ी हमलावर बाघिन

12 साल के बच्चे की जान ले चुकी, एक महिला को किया था घायल

उमरिया (नप्र)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर क्षेत्र से हमलावर बाघिन को पकड़ लिया गया। हाथियों की मदद से डॉक्टरों की टीम ने पिपरिया बीट के कक्ष नंबर पीएफ 112 में बाघिन को ट्रैक किया। फिर ट्रैंक्युलाइज कर उसे बेहोश किया गया। इसके बाद पिंजरे में डाल दिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन रविवार सुबह 7 बजे से सुबह 11 बजे तक चला। इसके बाद उसे पिपरिया के जंगल से करीब 20 किलोमीटर दूर बहेरहा इंक्लोजर में दोपहर 12 बजे तक पहुंचा दिया गया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि 3 वर्षीय बाघिन को मगधी परिक्षेत्र स्थित बहेरहा इंक्लोजर में शिफ्ट किया गया है। उसके व्यवहार पर नजर रखी जाएगी। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि वह वन्य प्राणियों का शिकार कर पाती है या नहीं।गौरतलब है कि बाघिन ने 12 अप्रैल को 12 साल के बच्चे की जान ले ली थी और 13 अप्रैल को एक महिला को घायल कर दिया था।

गुना में पथराव और नीमच में संतों से मारपीट पर बोले जीतू पटवारी

गुना एसपी-कलेक्टर को हटाने की मांग कहा- नीमच मामले में भी एक्शन ले सरकार

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस ने गुना में हुए पथराव और नीमच में जैन संतों के साथ मारपीट के मामले में सरकार को घेरा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुना की घटना के मामले में एसपी और कलेक्टर को जिम्मेदार बताते हुए मुख्यमंत्री से मांग की है कि दोनों ही अफसरों को वहां से हटाया जाए। दूसरी ओर नीमच जिले के सिंगोली की घटना के मामले में भी जिम्मेदार पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा है कि गुना से मिल रही तनाव की सूचनाएं मध्यप्रदेश की शांतिप्रिय छवि को नुकसान पहुंचाने वाली हैं। मैं सभी समुदायों से शांति, सद्भाव और समन्वय की अपील करता हूं। गुना में बेलगाम हुई अराजक कानून-व्यवस्था के लिए जिला पुलिस और प्रशासन जिम्मेदार है। राज्य सरकार को गुना के एसपी और कलेक्टर को तत्काल बदल देना चाहिए।

पटवारी ने लिखा कि गृहमंत्री के रूप में मप्र के मुख्यमंत्री की नाकामी अब आम हो चुकी है, इसलिए मुख्य सचिव और डीजीपी को अपनी प्रशासनिक और संवैधानिक जिम्मेदारियां को ईमानदारी से पूरा करना होगा। पटवारी ने ट्वीट में कहा कि मैं गुना की शांतिप्रिय व जागरुक जनता से पुनः प्रार्थना करता हूं कि नफरत फैलाने वाले चेहरों को पहचानें। शरारती तत्वों से भी सावधान रहें। गुना में प्रेम और सद्भाव बचाएं और बढ़ाएं।

बी.कॉम की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

रिश्तेदार के घर कार्यक्रम में शामिल होने गए थे परिजन, तब उठाया कदम

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ईंटखेड़ी में रहने वाली बी.काम सेकेंड ईयर की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। उसने यह कदम क्यों उठाया इस बात का खुलासा नहीं हो सका है। घटना के समय परिजन रिश्तेदार के घर कार्यक्रम में शामिल होने दूसरे गांव गए थे। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एसआई रीना सूर्यवंशी ने बताया कि साधना सिलावट (21) पुत्री पतिराम सिलावट रायपुरा गांव ईंटखेड़ी में रहती थी। वह शासकीय गीतांजली कॉलेज से बी.कॉम सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। उसके करीबी रिश्तेदार के घर रविवार को मुंडन कार्यक्रम था। साधना का परिवार इस कार्यक्रम में शामिल होने बैरसिया रोड स्थित दुपाड़िया गांव गया था।परिजन जब घर लौटे तो देखा कि साधना का बेडरूम अंदर से लॉक था। गेट तोड़कर चेक किया तो पंखे के सहारे रस्सी से बने फंदे पर उसका शव लटका हुआ दिखाई दिया। शव को फंदे से उतारने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सोमवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

दूसरे नंबर की बेटी थी साधना-पतिराम के साधना सहित कुल चार बच्चे थे। दो बेटे और दो बेटी, साधना दूसरे नंबर की बेटी थी। वह पढ़ाई में होशियार थी। आगे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने की बात कहती थी। कभी उसने किसी डिप्रेशन की बात नहीं कही।

पूर्व मंत्री के समर्थकों में अति उत्साह

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की नसीहत के बाद भी भाजपा के स्वयंभू नेता बैनर-पोस्टर की राजनीति या कहें शक्ति प्रदर्शन से परहेज नहीं कर पा रहे हैं और अपनी ताकत दिखाने के लिए पोस्टर-बैनर का सहारा लेते हैं। जी हम बात कर रहे हैं एक पूर्व मंत्री की जिनका

मोहन का
आशीष चौधरी

जन्मदिन आज 15 अप्रैल को है और उनके समर्थकों ने भोपाल में जगह जगह जन्मदिन पर बधाइयों के बैनर पोस्टर लगाये है। भाजपा कार्यालय जाने वाले रास्ते के हर खंबे पर पूर्व मंत्री के जन्मदिन की बधाई की पोस्टर लगे हैं। पूर्व मंत्री के समर्थक इसलिए भी उत्साहित हैं कि पूर्व मंत्री को भाजपा के एक बड़े नेता ने खास तवज्जो दी है। भाजपा के बड़े नेता की तवज्जो से उत्साहित पूर्व मंत्री के समर्थक यह मान कर चल रहे हैं कि हमारे नेता अब कप्तानी करेंगे ?

स्टाफ की बेइज्जती

प्रदेश के निर्माण भवन में बीते दिनों नॉन टेक्निकल स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। दुर्व्यवहार विभाग के मंत्री के सामने हुआ। विभागीय मंत्री, एसओआर का विमोचन करने निर्माण भवन पहुंचे थे। विमोचन कार्यक्रम में भीड़ न होने पर ऑफिस के नॉन टेक्निकल कर्मचारियों को मीटिंग हॉल में इकट्ठा कर लिया गया। मीटिंग हॉल में 70-80 लोगों के बैठने की व्यवस्था थी लेकिन बाद में काफी इंजीनियर्स आ गये। कार्यक्रम के दौरान इंजीनियर मीटिंग हॉल के बाहर लॉबी में खड़े थे और नॉन टेक्निकल स्टाफ कार्यक्रम में अंदर था। अजीब स्थिति बनने पर मंच संचालक ने घोषणा की कि कार्यक्रम से नॉन टेक्निकल स्टाफ बाहर चला जाए क्योंकि इंजीनियरों को अंदर बैठने की जगह नहीं और वह बाहर खड़े हैं ? दूध से मक्खी की तरह बाहर करने के फरमान पर बेचारे कर्मचारी क्या करते, वह अपमान का घूंट पीकर एक-एक करके धीरे-धीरे कार्यक्रम से खिसक गए।

आयुक्त अड़े, बिजली बिल दो !

सामान्य प्रशासन विभाग से इनकार के बावजूद राज्य सरकार के एक आयोग के आयुक्त बिजली देयक भुगतान के लिए अड़ गए हैं। आयुक्त ने इसके लिए बाकायदा एक नोटशीट आयोग के प्रमुख को भेजी है। जिसमें उन्होंने उच्च न्यायिक सेवा के अधिकारियों की तरह ही बिजली देयक भुगतान करने की मांग की है। आयुक्त महोदय के बार-बार विद्युत देयक मांगने की मांग पर अड़े होने से आयोग के सचिव असमंजस में है और वह जीएडी के परिपत्र का हवाला देकर उनकी मांग को ठुकरा चुके हैं। आयुक्त अब इस मसले को आयोग के मुखिया के समक्ष पहुंचाना चाहते हैं ताकि उन्हें विद्युत देयक का भुगतान हो सके।

एमडी की सख्ती

मध्य प्रदेश सरकार के एक सार्वजनिक उपक्रम के निगम प्रबंध संचालक की सख्ती से निगम के सारे अधिकारी व कर्मचारी त्राहिमाम त्राहिमाम है। प्रबंध संचालक ने निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों पर न केवल नकेल कसी है बल्कि निगम में सत्कार के नाम पर होने वाले लाखों रुपए के व्यय पर रोक लगा दी है। सूत्र बताते हैं प्रबंध संचालक ने निर्देश दिया कि उनसे मिलने आने वाले आगंतुकों का भी सत्कार केवल पानी से हो। वहीं एमडी ने स्टेशनरी के अनावश्यक खर्चों पर भी लगाम लगाई ,साथ ही निगम के पैसे बचाने के लिये एमडी ने संविदा पर काम करने वाले कर्मचारियों की गैर हाजिरी पर वेतन काटने का निर्देश दिया है। जबकि पूर्व में जितने भी प्रबंध संचालक रहे हैं संविदा कर्मचारियों की गैर हाजिरी पर वेतन नहीं कटता था। संविदा कर्मचारी तर्क देते हैं कि वह नियमित कर्मचारियों से ज्यादा काम निगम में करते हैं और निगम में देर तक रुकते हैं और छुट्टी वाले दिन भी सेवा प्रदान करते हैं। बता दे कि एमडी साहब की नवोदित आईएएस लाबी में तूती बोलती थी लेकिन अब सरकार ने उन्हें लूप लाइन वाले निगम में भेज दिया है।

हंगामा में गए कलेक्टर !

राज्य सरकार ने कुछ जिलों के कलेक्टर्स को बदला है। इसमें एक कलेक्टर का जाना पहले से तय था। इसकी इबारत उनके पारिवारिक विवाद से लिखी गई। बीते दिनों परिवार में इतना विवाद बढ़ गया कि कलेक्टर साहब की मेम ने जोरदार हंगामा करके न केवल जिले के प्रशासनिक अमले को हिला दिया बल्कि इस हंगामे की सूचना मंत्रालय तक आ गई। सीएम ने मामले में कलेक्टर को जिले से हटा दिया।

रायपुर प्रेस क्लब में गोविन्दलाल वोरा लाइब्रेरी का शुभारंभ

स्व. वोराजी का जीवन पत्रकारिता को समर्पित रहा : डॉ. रमन सिंह

रायपुर। देश के वरिष्ठ पत्रकार और सम्पादक स्व. गोविन्दलाल वोरा की स्मृति में रविवार को प्रेस क्लब परिसर में आयोजित गरिमामय समारोह में 'गोविन्दलाल वोरा लाइब्रेरी' का शुभारंभ किया गया। ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित कवि-कथाकार विनोद कुमार शुक्ल की विशेष उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता पूर्व विधायक अरूण वोरा ने की। जबकि रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा, मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार और सुबह सवेरे समाचार पत्र के प्रधान संपादक उमेश त्रिवेदी एवं पत्रकार अरुण पटेल तथा अमृत संदेश के प्रधान संपादक गिरीश वोरा विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित थे।

समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने स्व. गोविन्द लाल वोरा को याद किया। उन्होंने कहा कि वोराजी का उनका पूरा जीवन पत्रकारिता को समर्पित रहा। उनकी शालीनता एक मिसाल है। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मेरे मुख्यमंत्री रहते और उससे पहले भी कभी वोराजी ने मुझसे किसी काम के लिए नहीं कहा। वे ऐसे पत्रकार थे, जिनकी सादगी युवा पत्रकारों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। डॉ. सिंह ने लाइब्रेरी में किताबों के लिए स्वनिधि से 1 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 30 दिन के भीतर किताबों के लिए राशि हस्तांतरित कर दी जाएगी। उन्होंने रायपुर प्रेस क्लब के प्रयास की तारीफ की और कहा कि लाइब्रेरी के माध्यम से पत्रकारों को पढ़ने की अच्छी सुविधा मिलेगी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं

'सुबह सवेरे' के प्रधान संपादक उमेश त्रिवेदी ने कहा, भले ही वे मध्यप्रदेश से हैं, लेकिन दोनों प्रदेशों में पत्रकारिता का डीएनए एक ही रहा है। उन्होंने रायपुर प्रेस क्लब के रचनात्मक प्रयासों की तारीफ की। समारोह की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक अरुण वोरा ने भी लाइब्रेरी की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और प्रेस क्लब के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर विख्यात साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल और वरिष्ठ पत्रकार उमेश त्रिवेदी ने किताबों और पढ़ने-लिखने के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने - अपने अनुभव साझा किए।

इसी कार्यक्रम में रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने आगामी दिनों में प्रेस क्लब में वीडियो प्रोडक्शन स्टूडियो और फोटो गैलरी बनाने की योजना साझा की। साथ ही पत्रकारों, विशेषकर युवा पत्रकारों से आग्रह किया कि वे रायपुर प्रेस क्लब की लाइब्रेरी का सदुपयोग करें। इस अवसर पर ठाकुर ने पत्रकारों द्वारा किताब लिखने पर प्रति वर्ष दो किताबों के प्रकाशन की जिम्मेदारी प्रेस क्लब द्वारा उठाने की घोषणा की। उन्होंने पत्रकारों के लिए फेलोशिप और पत्रकारिता पुरस्कार दिए जाने संबंधी योजनाओं की भी जानकारी दी।

रायपुर प्रेस क्लब के महासचिव वैभव शिव पांडे ने भी पत्रकारों को पुस्तकालय में किताब पठन के लिए प्रेरित किया, साथ ही बहुत ही जल्द लाइब्रेरी में हर प्रकार की किताबों के संकलन होने की बात कही। इससे पहले ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित कवि, कथाकार विनोद कुमार शुक्ल का सम्मान किया गया। इस मौके पर रायपुर प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई, संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी एवं अरविंद सोनवानी समेत राजनीतिक, सामाजिक, शिक्षा और पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े प्रबुद्धजन उपस्थित थे।